महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

जिसे अपने आप पर विश्वास होता है,उसे किसी और की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती है...

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 271 | उज्जैन, शनिवार 14 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

कर्नाटक में इवा नम्मावा बिल को मिली मंजूरी, दोषियों को मिलेगी 5 साल की सजा

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक कैबिनेट ने सम्मान हत्याओं और सामाजिक परंपराओं से जुड़े हिंसा को रोकने के लिए एक बिल को मंजूरी दी है। इवा नम्मावा विधेयक उन हिंसक कृत्यों को रोकने का प्रयास करता है, जिनमें विवाहों के प्रति आपत्तियों के कारण हत्या शामिल है। इस बिल में दोषियों को न्यूनतम पांच साल की कैद की सजा का प्रविधान है। यह विधेयक 12वीं सदी के कवि और समाज सुधारक बसवेश्वर की एक कविता से नामित किया गया है, जो लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक थे। नवीनतम मसौदे में प्रस्तावित प्रविधानों के तहत सम्मान के नाम पर की जाने वाली हत्याओं के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले व्यक्तियों को न्यूनतम पांच साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। इसका प्रारंभिक मसौदा जनवरी में कर्नाटका फ्रीडम आफ चाइस इन मैरिज एंड प्रिवेंशन एंड प्रोहिबिशन आफ क्राइम्स इन द नेम ऑफ ऑनर एंड ट्रेडिशन बिल, 2026 के रूप में तैयार किया गया था, ताकि ऐसे अपराधों का समाधान किया जा सके। सरकार ने कई प्रविधानों को संशोधित किया और विधेयक को एक नए नाम के साथ फिर से पेश किया।

सिलिंडर की कीमत चार गुना... पंजाब में लाइन में खड़े बुजुर्ग की मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब में इस दौरान सिलिंडर बुकिंग को लेकर अफरा-तफरी मच रही है। बरनाला जिले के गांव शैहणा में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। गैस सिलिंडर लेने के लिए कतार में खड़े 66 वर्षीय व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए और इलाके में शोक का माहौल बन गया। वहीं, सिलिंडर की डिमांड इतनी ज्यादा है कि जालंधर में सप्ताह भर के बीच ही रसोई गैस सिलिंडर की बुकिंग में चार गुना से अधिक का इजाफा हो चुका है। सामान्य दिनों में जहां रोजाना 12 हजार के करीब रसोई गैस सिलिंडर की बुकिंग होती थी, वहीं इन दिनों जिले की 75 गैस एजेंसियों पर पचास हजार से अधिक की बुकिंग की जा रही है। जबकि, सामान्य दिनों के मुताबिक रोजाना 12 हजार के करीब ही गैस सिलिंडरों की आपूर्ति भी हो रही है। चंडीगढ़ में रसोई गैस की मारामारी के चलते रेस्टोरेंट और होटलों के पास दो दिनों का ही गैस स्टाक बचा है। ऐसे में रेस्टोरेंट के मेन्यू शॉर्ट हो गए हैं। बुकिंग व सप्लाई के बीच भारी अंतर के कारण ही लोगों तक सिलिंडर की सप्लाई देने में दिक्कत पेश आ रही है। स्थिति यह है कि सामान्य दिनों में 24 से लेकर 48 घंटे के बीच गैस सिलिंडर की सप्लाई जारी की जाती थी, वहीं अब छह दिनों के बाद सप्लाई दी जा रही है। इस बारे में जिला खाद्य व आपूर्ति अधिकारी नरिंदर सिंह बताते है कि सप्लाई सामान्य हो रही है, लेकिन 75 गैस एजेंसियों पर बुकिंग अधिक होने के कारण ही हालात बने है। जबकि ऐसी स्थिति में उपभोक्ता को केवल जरूरत के मुताबिक ही बुकिंग करवानी चाहिए। जिससे जरूरतमंद तक समय पर गैस की सप्लाई की जा सके। फिलहाल जिला प्रशासन ने गैस एजेंसी संचालकों को रिजर्व स्टाक रखने के निर्देश नहीं दिए है। कारण स्टाक केवल बाढ़ के दिनों या फिर भारत-पाक के बीच युद्ध के दौरान ही दिए गए थे। इस समय पूरा फोकस स्टाक नहीं बल्कि लोगों की मांग समय पर पूरी करने के लिए सप्लाई पर है।

वहीं, सुच्ची पिंड स्थित इंडेन के गोदाम से तीसरे दिन गैस सिलिंडरों की सप्लाई शुरू कर दी गई है। संभावना जताई जा रही है कि इससे सिलिंडर की आपूर्ति जल्द सुचारू हो पाएगी। हालांकि, कमर्शियल गैस की सप्लाई को लेकर कोई आदेश जारी ना होने के कारण गैस का कमर्शियल इस्तेमाल करने वालों को जरूर परेशानी झेलनी पड़ रही है।

नवरात्र में आसानी से कर सकेंगे मां वैष्णो देवी के दर्शन, दिल्ली से कटड़ा के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली/ जीएनएस। चैत्र नवरात्र के दौरान श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने विशेष आरक्षित ट्रेन संख्या 04081, 04082 के संचालन की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है। रेलवे के इस निर्णय से हजारों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी यात्रा अधिक सुगम व सुविधाजनक हो सकेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार नवरात्र के समय माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने दिल्ली-कटड़ा स्पेशल ट्रेन की सेवाओं का विस्तार किया है, ताकि यात्रियों को पर्याप्त सीटें उपलब्ध कराई जा सकें और भीड़ का दबाव कम किया जा सके।

रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 04081 नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच 14 फेरों के लिए चलाई जाएगी। पहले यह ट्रेन 21 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक संचालित की जा रही थी, लेकिन अब इसकी सेवाओं को बढ़ाकर 17 मार्च से 30 मार्च 2026 तक कर दिया गया है।

इसी प्रकार ट्रेन नंबर 04082 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से नई दिल्ली के बीच 14 फेरों के लिए चलाई जाएगी। पहले यह ट्रेन 22 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक चल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर 18 मार्च से 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि रेलवे यात्रियों की सुविधाओं और उनकी बढ़ती मांग के प्रति हमेशा संवेदनशील रहता है।

लाड़ली बहना योजना ने बहनों को बनाया स्वावलंबी- मुख्यमंत्री

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के मामले में पूरे देश के लिए उदाहरण बन रही हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से जुड़कर करीब 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीदियां कार्यरत हैं। हम महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी बहनें अब फैक्ट्रियों और उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रदेश के 47 प्रतिशत नए स्टार्ट-अप का नेतृत्व अब हमारी बहनों के हाथों में है। हम सभी बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां की बहनों को लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के रूप में डबल खुशियां मिल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर परिसर, घाटीगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाड़ली बहनों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत प्रत्येक कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियां भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि से पहले आज बहनों को 1500 रुपए की सौगात मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना में बहनों को योजना की 34वीं किश्त प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार से अधिक बहनों के खाते में 1 हजार 836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इनमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 16 हजार से अधिक लाड़ली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश की हर लाड़ली बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये भेजे जा रहे हैं। लाड़ली बहन योजना में अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी लाड़ली बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे हर महीने मिलने वाली इस राशि से अपनी बेहतरी के लिए कोई भी रुचिकर काम-धंधा शुरु करें और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले को 121 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत वाले 54 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लिक से लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 39 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से कुलैथ घाटीगांव में शासकीय सांदीपनि विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 महीने बाद लाड़ली बहना योजना के 3 साल पूरे हो जाएंगे। इन 3 सालों में प्रदेश की बहनों की जिन्दगी जिस तरह से बदली है, वह भूतो न भविष्यति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से फरवरी 2026 तक 42 हजार 308 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि बहनों के खाते में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की बहनें अब आत्म-निर्भर बन गई हैं। अब वे मजबूर नहीं, मजबूत हो गई हैं। इस योजना ने बहनों को न केवल आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया है, बल्कि इन्हें %रिस्क% लेने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के सपने देखने की हिम्मत भी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर मध्यप्रदेश का गौरव है। ये धरती शक्ति के आशीर्वाद से सिंचित है और शक्ति की उपासना से ही हमारा संसार सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र मध्यप्रदेश के साथ देश की इकॉनामी डेवलपमेंट में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। कभी बीहड़ों के लिए मशहूर रहा यह क्षेत्र हमारी सरकार के प्रयासों से आज औद्योगिक गतिविधियों का नया केन्द्र और प्रगति का नया उदाहरण बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित एवं कन्या पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्ति पर पुष्प-वर्षा कर उन्हें आदरपूर्वक नमन किया। स्थानीय प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ग़जमाला से सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र, स्व-सहायता समूह के चेक एवं मुद्रा योजना के चेक भी सौंपे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में हमारी सरकार ने लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत गत नवंबर माह से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की है, जिससे अब पात्र हितग्राही बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार अब लाड़ली बहना योजना से जुड़ी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें कौशल उन्नयन, रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस दिशा में हमारी सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर जिले को आज करीब 122 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2024 से अब तक ग्वालियर में 220 औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। यहां 12 हजार 500 करोड़ के निवेश से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और लोगों की जिंदगी बदलेगी। सीतापुर में फुटवियर क्लस्टर का निर्माण किया जा रहा है। मुरैना में हाइड्रोजन निर्माण के लिए नया कारखाना लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवपुरी के कूनो नेशनल पार्क में चीता अपना कुनबा बढ़ा रहा है। माधव नेशनल पार्क अब टाइगर, घड़ियाल और कछुआ के लिए पहचान बना रहा है। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार ने किसानों को 40 रूपए बोनस देखकर गेहूं खरीदने का निर्णय लिया है। प्रदेश में पशुपालन एवं दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनू योजना की शुरुआत की गई है।

प्रमुख घोषणाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भितरवार विधानसभा क्षेत्र में आरोन-पटई उद्वहन सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि 120 करोड़ रुपए की यह परियोजना क्षेत्र के किसानों का जीवन खुशहाल कर देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर घाटीगांव सहित चिनौर और करैया में भी सांदीपनि विद्यालय खोले जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भितरवार पीएचसी का उन्नयन कर सिविल अस्पताल बनाया जायेगा। घाटीगांव के उप स्वास्थ्य केंद्र का भी उन्नयन कराएंगे।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए ईको स्वैप बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर के उत्पादकों और थोक विक्रेताओं के साथ ÷ईको स्वैप÷ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण हितैषी और उपयोगी विकल्प उपलब्ध कराना है, ताकि बाजार में प्लास्टिक के स्थान पर अन्य विकल्प आसानी से मिल सकें और नागरिक भी उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित हों।

बैठक के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने उपस्थित उत्पादकों और थोक विक्रेताओं के साथ सिंगल यूज़ प्लास्टिक के स्थान पर उपलब्ध वैकल्पिक उत्पादों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापारियों, उत्पादकों और नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है।

उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों और उत्पादकों को शासन द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर लगाए गए प्रतिबंध की जानकारी भी दी। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था प्रतिबंधित प्लास्टिक का उत्पादन, भंडारण या विक्रय करते हुए पाई जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में व्यापारियों और उत्पादकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के बैग, कागज के बैग, बायोडिग्रेडेबल सामग्री से बने उत्पाद, पत्तों से बने दोने-पत्तल सहित अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के उपयोग और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अंत में सभी उपस्थित उत्पादकों और थोक विक्रेताओं को प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उत्पादन, भंडारण और विक्रय नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की शपथ दिलाई गई। नगर निगम ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पर्यावरण हितैषी विकल्पों को अपनाएं, ताकि इंदौर स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी मिसाल कायम कर सके।

राष्ट्रीय एवं प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों के हितों को लेकर ली महत्वपूर्ण बैठक

सफाई कर्मचारियों का हर 6 माह में होगा स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री हरदीप सिंह गिल एवं मध्यप्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की उपस्थिति में रेसीडेंसी कोठी में सफाई कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम श्री रोशन सिंह, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, श्री आशीष पाठक, श्री अभय राजनगांवकर, श्री नरेन्द्र नाथ पांडे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। इसके साथ ही राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा अध्यक्ष श्री मनोज सिरसिया, सफाई कामगार कर्मचारी यूनियन के श्री लीलाधर करोसिया, श्री राजेश करोसिया, श्री राकेश गौहर, वाल्मीकि संघ के श्री घनश्याम चंदेले सहित विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

बैठक के पहले राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री हरदीप सिंह गिल तथा मध्यप्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया द्वारा हाल ही में चेम्बर में गिरने से सफाई कर्मचारियों की हुई दुखद मृत्यु की घटना के संबंध में चौइथराम घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात दोनों अध्यक्षगण दिवंगत कर्मचारियों के निवास पर पहुंचे तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवारजनों को आश्वस्त किया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इसके पश्चात रेसीडेंसी कोठी में जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के अध्यक्ष श्री हरदीप सिंह गिल एवं श्री प्रताप करोसिया द्वारा सफाई कामगारों के कल्याण और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देशित किया गया कि शहर के सभी सफाई कामगारों का हर छह माह में अनिवार्य स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए ताकि उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

नारकोटिक्स के फरार 16 आरोपियों पर एक लाख 30 हजार रुपये इनाम घोषित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारकोटिक्स विंग इंदौर द्वारा एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न प्रकरणों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले व्यक्तियों को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। उप पुलिस महानिरीक्षक नारकोटिक्स विंग इंदौर श्री महेश चंद जैन ने बताया कि थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित संशोधित पुलिस रेग्यूलेशन में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह घोषणा की गई है।

उन्होंने बताया कि जो कोई व्यक्ति इन फरार आरोपियों को विधि प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार करवाने में सहयोग करेगा अथवा उनकी गिरफ्तारी के संबंध में पुख्ता सूचना देगा, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी, उसे निर्धारित राशि के अनुसार नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

नारकोटिक्स विंग के अनुसार कुल 16 फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये से 20 हजार रुपये तक का इनाम घोषित किया गया है। इस प्रकार कुल एक लाख 30 हजार रुपये के इनाम घोषित किए गए है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा। एक से अधिक सूचनाकर्ता अथवा पुलिस अधिकारी/कर्मचारी होने की स्थिति में इनाम वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस महानिरीक्षक, नारकोटिक्स विंग इंदौर द्वारा लिया जाएगा।

इन पर घोषित है इनामी राशि- नारकोटिक्स विंग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी मांगीलाल चौधरी पिता काजाराम चौधरी, उम्र 40 वर्ष, निवासी काजो की ढाणी, ग्राम जेलात्रा, थाना झाब, जिला जालौर (राजस्थान) पर 20,000 रुपये इनाम राशि घोषित किया गया है। इसी प्रकार प्रकार गोविंद पिता मोतीलाल मीणा, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम गमेरपुरा, पोस्ट चीताखेड़ा, थाना जीरन, जिला नीमच, राकेश पिता जगदीश गुर्जर, निवासी ग्राम बोरखेड़ी चारण, थाना नाहरगढ़, जिला मंदसौर, दिलीप पिता मोहनलाल अहीर, निवासी ग्राम बमोरी, थाना जीरन, जिला नीमच, विनोद पिता आशाराम मीणा, निवासी ग्राम जाजली, थाना अरनोद, जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान), मिश्रीलाल पिता भंवरलाल कुमावत, निवासी मोराकला जिला पाली (राजस्थान), हाल मुकाम एसएलएन रोड जिगनी, बैंगलोर, ओंकार सिंह उर्फ लाल सिंह पिता गेनचन्द्र सिंह आदी।

जनता चौपाल में महापौर ने सुनी नागरिकों की समस्याएँ, मौके पर समाधान के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जनसुनवाई की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को जोन-16 के वार्ड-15 (विधानसभा देपालपुर) में जनता चौपाल आयोजित कर स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएँ सुनीं। चौपाल से पहले महापौर ने क्षेत्रीय पार्षद के साथ इलाके का दौरा कर विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण भी किया। इस दौरान स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला, स्थानीय पार्षद ममता सुभाष सुनहरे, महापौर प्रतिनिधि भारत पारख सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने बैक लाइन की सफाई, ड्रेनेज व्यवस्था और पानी की पाइपलाइन से जुड़ी समस्याएँ महापौर के सामने रखीं। इस पर महापौर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जोनल अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने और लंबित कार्यों को शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान नर्मदा परिसर प्रधानमंत्री आवास योजना में ड्रेनेज समस्या को लेकर रहवासियों ने शिकायत की, जिस पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। वहीं कस्तूर नगर क्षेत्र में ड्रेनेज लाइन बार-बार चोक होने की समस्या पर सफाई और सुधार कार्य कराने को कहा गया। सड़क पर बने दो चेंबरों से पानी बहने की समस्या पर भी अधिकारियों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए गए।

स्ट्रीट लाइट की समस्या पर रहवासियों ने बताया कि सोसाइटी बिजली का बिल जमा नहीं कर पा रही है। इस पर महापौर ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2019 तक की वे कॉलोनियां या रहवासी संघ, जिनमें 100 प्रतिशत संपत्ति खाते दर्ज हैं और उनमें से 60 प्रतिशत कर जमा है, उनकी स्ट्रीट लाइट का बिजली बिल नगर निगम द्वारा वहन किया जाएगा।

गांधीनगर क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर महापौर ने बताया कि वर्ष 2014 में नगर निगम में शामिल हुए 29 गांवों में पानी की सप्लाई सोसाइटियों के माध्यम से की जाती रही है। उन्होंने कहा कि देवधरम टंकी में यशवंत सागर से आने वाले पानी की क्षमता 30 एमएलडी से बढ़ाकर 45 एमएलडी करने का कार्य शुरू किया गया है, जिससे भविष्य में पानी की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।

जनता चौपाल से पहले महापौर ने गांधीनगर स्थित मुक्तिधाम का निरीक्षण भी किया, जहाँ स्थानीय नागरिकों ने पानी की व्यवस्था के लिए बोरिंग कराने की मांग रखी। इस पर महापौर ने अधिकारियों को मुक्तिधाम के विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर नगर निगम कार्यालय भेजने के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान रहवासियों ने क्षेत्र में बगीचे के विकास और स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने की मांग भी रखी। महापौर ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र की सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और शहर में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयास करता रहेगा।

किसान कल्याण वर्ष में यह सम्मान निधि किसानों की आय बढाने का काम करेगी- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शुक्रवार को असम के गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की। इसके तहत इन्दौर जिले में लगभग 14 करोड़ रूपये से अधिक की राशि 74 हजार किसानों के खाते में एवं सांवेर विधानसभा के साढ़े बीस हजार किसानों को 4 करोड 10 लाख रूपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा 6-6 हजार रुपये की राशि कुल 12 हजार रुपये की राशि सालाना प्रदान की जाती है। इस प्रकार इन्दौर जिले के 74 हजार किसानों को लगभग 89 करोड़ एवं सांवेर विधानसभा के साढ़े बीस हजार किसानों को लगभग 25 करोड़ की राशि सालाना प्राप्त होती है। यह राशि वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए मददगार रहेगी।

इंदौर जिले में ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की जांच में तेजी

अवैध आइस लॉली निर्माण इकाई पर कार्रवाई, 190 किलो खाद्य पदार्थ जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार 13 मार्च को बाबूलाल नगर, पालदा मेन रोड, इंदौर स्थित मेसर्स कृष्णा पेप्सी का खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर श्रीमती कृष्णा प्रजापत पत्नी श्री कैलाश प्रजापत खाद्य कारोबार का संचालन करते हुए पाई गईं। निरीक्षण के दौरान परिसर में विभिन्न प्रकार की आइस लॉली का निर्माण किया जाना पाया गया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि प्रतिष्ठान में खाद्य पदार्थों के निर्माण के लिए आवश्यक वैध अनुज्ञप्ति अथवा पंजीयन उपलब्ध नहीं था। आइस लॉली निर्माण के लिए उपयोग किए जा रहे पानी का स्रोत सीधे बोरिंग का पानी पाया गया तथा संचालक द्वारा उक्त पानी के पीने योग्य होने का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया।

इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठान में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन नहीं किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि खाद्य पदार्थों में मिठास के लिए आर्टिफिशियल स्वीटनर सैकरीन का उपयोग किया जा रहा था, जबकि इसके उपयोग के संबंध में खाद्य पदार्थ के लेबल पर कोई सूचना प्रदर्शित नहीं की गई थी। आर्टिफिशियल स्वीटनर का अधिक उपयोग विशेषकर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। गौरतलब है कि परिसर में निर्मित आइस लॉली का उपयोग मुख्यतः छोटे आयु वर्ग के बच्चों द्वारा किया जाता है।

मौके से आइस लॉली के 03 नमूने, आइस लॉली निर्माण में प्रयुक्त महाराज सॉफ्ट ड्रिंक का 01 नमूना तथा आर्टिफिशियल स्वीटनर का 01 नमूना, इस प्रकार कुल 05 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही लगभग 6250 नग (लगभग 190 किलोग्राम) खाद्य पदार्थ जब्त किए गए।

परिसर में पाई गई गंभीर अनियमितताओं तथा वैध लाइसेंस/पंजीयन के अभाव को देखते हुए उक्त प्रतिष्ठान में संचालित खाद्य कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया।

खाद्य कारोबारकर्ताओं के लिए आवश्यक निर्देश- खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सभी खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को हिदायत दी गई है कि ऐसे सभी खाद्य पदार्थ निर्माता अथवा विक्रेता, जिनके यहां खाद्य पदार्थों के निर्माण के दौरान पानी का उपयोग किया जाता है, वे उपयोग किए जाने वाले पानी की नियमित रूप से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से जांच अवश्य करवाएं।

खाद्य पदार्थों के निर्माण में केवल पीने योग्य (पोटेबल) पानी का ही उपयोग किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय मैत्री कार्यकर्ता/गौ सेवक सम्मेलन दशहरा मैदान इंदौर में 15 मार्च को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में ÷समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश÷ की थीम पर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ पशुपालन एवं डेयरी उद्यमिता को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक आधारित रोजगार सृजन मॉडल के रूप में विकसित करना है। प्रदेश में डेयरी को उद्यमिता से जोड़ते हुए कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के विकास और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस रहेगा। इसी कड़ी में 15 मार्च को दशहरा मैदान, इंदौर में राज्य स्तरीय मैत्री कार्यकर्ता/गौ सेवक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में नव प्रशिक्षित मैत्री कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही अपने अनुभव साझा कर किसानों और पशुपालकों को प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग के कुल 20 जिलों से लगभग 6 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। इस आयोजन में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी, मध्य प्रदेश डेयरी कॉपरेटिव फेडरेशन तथा पशुपालन विभाग से जुड़े लाभान्वित हितग्राहियों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। यह जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संयुक्त संचालक ने बताया कि भारत सरकार की परियोजना राष्ट्रीय गोकुल मिशन अन्तर्गत पशु पालकों को कृत्रिम गर्भाधान की द्वार पहुंच सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मैत्री कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण नस्ल सुधार के साथ-साथ ग्रामीण युवक एवं युवतियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में कुल 12,476 मैत्री कार्यकर्ता कार्यरत है। भारत सरकार से वर्ष 2026-27 के लिए 2 हजार 250 मैत्री कार्यकर्ताओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण पर फोकस

प्रदेश में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं-निर्बाध आपूर्ति रहेगी जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में घरेलू रसोई गैस सहित पीएनजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गुरूवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ पश्चिम-मध्य एशिया में युद्ध के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के दृष्टिगत एलपीजी सहित अन्य ईंधन की उपलब्धता की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीजीपी श्री कैलाश मकवाना और एसीएस श्री शिवशेखर शुक्ला एवं श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वीसी में इंदौर से संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, एसपी ग्रामीण श्रीमती यांगचेन भूटिया सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इंदौर जिले में ईंधन की उपलब्धता को लेकर किये जा रहे कार्यों और उपायों की जानकारी दी। मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर्स से कहा कि घरेलू गैस वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को और मजबूत करें तथा इससे जुड़ी कंपनियां भी सर्वर आदि की क्षमता बढाएं जिससे रिफिल बुकिंग ओटीपी जनरेशन और वितरण बिना असुविधा के सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सुनिश्चत करें कि गलत सूचनाओं का प्रसार और अफवाहों को सख्ती से रोंके और उपभोक्ताओं तक मीडिया आदि का उपयोग कर सही सूचना पहुचाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के बीच सकारात्मक माहौल बनाए और सूचना तंत्र मजबूत कर अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी की कोई भी घटना नही हो, यह सुनिश्चत करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कई कलेक्टर्स द्वारा होटल्स, रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन आदि के संचालकों से बात कर रसोई गैस की जगह इलेक्ट्रिक भट्टी और इंडेक्शन आदि का उपयोग बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे भी वैकल्पिक और सुरक्षित ईंधन के उपयोग के प्रति नागरिकों और खानपान व्यवसाय में लगे लोगों बीच वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के प्रति जागरूकता बढाएं।

मुख्य सचिव श्री जैन ने विभिन्न शहरों में पीएनजी के कनेक्शन की जानकारी ली और कलेक्टर्स से कहा कि वे अधिकाधिक उपभोक्ताओं को पाइप लाइन गैस प्रणाली से जोड़ें। उन्होंने कलेक्टर्स से कहा कि सी एम हेल्पलाइन की शिकायतों का उसी दिन संतुष्टि पूर्वक समाधान सुनिश्चित किया जाए। डी.जी.पी. श्री मकवाना ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेट फार्म पर गलत सूचनाओं और अफवाह फैलाने वालों पर कार्यवाही करें और संपूर्ण व्यवस्था में सुरक्षात्मक इंतजाम सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि प्रदेश में एलपीजी सहित पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश के सीएनजी स्टेशन एवं पीएनजी उपभोक्ताओं के उपयोग के लिए एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश मे पेट्रोलियम/ सीएनजी/पीएनजी गैस की आपूर्ति लगातार जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में एलपीजी की लगातार उपलब्धता है। शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थानों को वाणिज्यिक सिलेंडर के उपयोग की छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कलेक्टर्स से मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के लिए भी कहा है।

कांफ्रेंस में इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, सागर, धार के कलेक्टर्स सहित ग्वालियर एवं रीवा के कमिश्नर ने किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। एसीएस श्रीमती शमी ने अधिकारियों से कहा कि वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं वैकल्पिक ईंधन स्रोतों को अपनाने की सलाह दें। जहां पीएनजी लाइन उपलब्ध है वहां पीएनजी के कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन कामो में गैस ज्यादा खर्च होती है उनको नियंत्रित करने एवं विकल्प तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाए। जिला कलेक्टर, जिले के खाद्य नियंत्रक/अधिकारी, ऑयल कंपनी के नोडल अधिकारी तथा एलपीजी वितरकों से समन्वय कर एलपीजी की आवश्यकता तथा उपलब्धता की प्रतिदिन समीक्षा भी करें।

प्रदेश में घरेलू रसोई गैस की कोई कमीं नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। राज्य शासन एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण पर पूरी तरह से सतर्क है।

खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग की अपर मुख्य सचिव को समन्वय अधिकारी बनाया गया है, वे प्रतिदिन सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से संवाद और समन्वय करेंगी। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद गलत सूचनाओं के कारण घरेलू गैस की कमी की अफवाह फैलने से रोका जाए। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सहित अन्य ईंधन का सुरक्षित परिवहन, भंडारण और वितरण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य स्तर के साथ ही जिला स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाए जाएं जहां प्रतिदिन की स्थिति की समीक्षा के साथ ही समाधान हो। बैठक में बताया गया कि गैस कंपनियों की भी हेल्पलाइन से लोगों को सही जानकारी दी जा रही है। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि जन भावनाओं के दृष्टिगत कंट्रोल रूम में कई फोन नम्बर रखें तथा दक्ष अमले की तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि रसोई गैस वितरण की पारदर्शी व्यवस्था है और संबंधित विभागों का दायित्व है कि वे ऐसा वातावरण तैयार करें जिससे जन भावनाएं व्यवस्था के साथ हों।

फर्जी फर्म के नाम पर बैंक खाता खोलकर साइबर ठगी के 3 करोड़ 30 लाख रुपए का लेन-देन, एक आरोपी गिरफ्तार, इंदौर निवासी युवक की तलाश जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी पुलिस ने फर्जी फर्म के नाम से बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगी के करोड़ों रुपए के लेन-देन के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपी को शुक्रवार को नारायणगढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर साइबर ठगी से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि क्षेत्र में एक बैंक खाते से करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी स्टेट साइबर सेल को प्राप्त हुई थी। इस संबंध में साइबर सेल ने मंदसौर जिला पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद मीणा के निर्देश पर पिपलियामंडी पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की।

बैंक स्टेटमेंट की जांच में सामने आया बड़ा लेन-देन- जांच के दौरान भारतीय स्टेट बैंक की बोतलगंज शाखा में संचालित एक चालू खाते की जानकारी सामने आई। पुलिस ने बैंक से खाते से संबंधित केवाईसी दस्तावेज और बैंक स्टेटमेंट मंगवाकर उसका विस्तृत अवलोकन किया। जांच में पता चला कि 6 जनवरी 2024 से 26 फरवरी 2026 के बीच उक्त खाते में कुल 225 बार लेन-देन और 107 बार नकद निकासी की गई। इस दौरान खाते में 3 करोड़ 29 लाख 92 हजार 918 रुपए 45 पैसे जमा हुए और लगभग उतनी ही राशि विभिन्न माध्यमों से निकाल ली गई। जांच के अंत में खाते का बैलेंस शून्य पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि खाते का उपयोग केवल ठगी से प्राप्त राशि के लेन-देन के लिए किया जा रहा था।

फर्जी फर्म के नाम से खुलवाया था खाता- पुलिस जांच में सामने आया कि यह बैंक खाता राजश्री कम्प्यूटर नामक फर्म के नाम से मनासा रोड पिपलिया मंडी के पते पर खोला गया था। इस फर्म का संचालन दीपक (26) पिता कचरूलाल माली, निवासी ग्राम काचरिया चंद्रावत थाना पिपलिया मंडी द्वारा किया जा रहा था। पुलिस ने दीपक माली को थाने बुलाकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वर्ष 2024 में वह इंदौर में कैमरों की रिपेयरिंग कराने गया था। इसी दौरान उसकी मुलाकात इंदौर निवासी राहुल गेहलोत से हुई थी। बातचीत के दौरान राहुल ने उसे बैंक खाता खुलवाकर पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और खाते से लिंक मोबाइल सिम देने के बदले अच्छा कमीशन देने का लालच दिया।

एक लाख रुपए के लालच में दे दिए खाते के दस्तावेज- दीपक माली राहुल के लालच में आ गया और उसने राजश्री कम्प्यूटर नाम से ऑनलाइन फर्म का पंजीयन करवा लिया। इसके बाद 1 जून 2024 को भारतीय स्टेट बैंक शाखा बोतलगंज में उक्त फर्म के नाम से चालू खाता खुलवाया। खाता खुलने के बाद दीपक ने पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और लिंक मोबाइल सिम राहुल गेहलोत को सौंप दिए। इसके बदले राहुल ने उसे एक लाख रुपए नकद दिए और भविष्य में होने वाले लेन-देन के अनुसार कमीशन देने की बात कही।

साइबर ठगी की रकम का किया लेन-देन- पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर इस बैंक खाते का उपयोग ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम को जमा करने और निकालने के लिए किया। ठगी से आए रुपए खाते में जमा होते थे और बाद में उन्हें अलग-अलग माध्यमों से निकाल लिया जाता था, ताकि धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके। इस तरह दोनों आरोपियों ने अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से बैंक खाते का उपयोग किया।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला- पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच एसआई मूलचंदसिंह धाकड़ ने की। मामले में दीपक माली निवासी काचरिया चंद्रावत और राहुल गेहलोत निवासी इंदौर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी दीपक माली को शुक्रवार को नारायणगढ़ न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। पुलिस अब फरार आरोपी राहुल गेहलोत की तलाश में जुटी हुई है।

फोटोग्राफी का काम करता है आरोपी- जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दीपक माली फोटोग्राफी का कार्य करता है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह इंदौर निवासी युवक के झांसे में आ गया और लालच में आकर बैंक खाता खुलवा दिया। इसके बाद खाते से जुड़े सभी दस्तावेज और एटीएम कार्ड राहुल को दे दिए। साइबर ठगी से आने वाली रकम इंदौर निवासी राहुल ही बैंक से निकालता था।

पुलिस ने लोगों को दी सावधानी बरतने की सलाह- थाना प्रभारी विक्रमसिंह इवने ने आमजन से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति के कहने पर या लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक या मोबाइल सिम किसी को न दें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार का प्रस्ताव देता है तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मामलों में खाता धारक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

चलते ट्रक में लगी आग ने लिया विशाल रूप, सूचना मिलते ही दौड़ी फायर फाइटर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली के समीप ग्राम कछाला के पास गुरुवार देर शाम एक आयशर ट्रक में अचानक आग लग गई, जिससे ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार ट्रक जयपुर से नीमच की ओर आ रहा था। ग्राम कछाला के पास ब्रेक लगाने के दौरान टायर में अचानक आग लग गई, जो देखते ही देखते पूरे ट्रक में फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची सिंगोली फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुजरात पासिंग ट्रक में 50 लाख की मदिरा, वारिस समेत रूपणी-कचनारा के बीच तक पहुंचा, यहां लावारिसी में पुलिस ने पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना पुलिस के हाथ एक ऐसा ट्रक लगा है, जिसका कोई वारिस नहीं मिला। ट्रक गुजरात पासिंग होकर उसमें 50 लाख कीमती अंग्रेजी शराब की तस्करी की जा रही थी। कुल 350 पेटी मदिरा जब्त की गई है। साथ में ट्रक में सोयाबीन की बड़ी के कट्टे भी जब्ती में लिए गए हैं। अचरज है कि गुजरात पासिंग ट्रक में 50 लाख की मदिरा होकर ट्रक वारिस समेत रूपणी-कचनारा के बीच तक पहुंचा था, लेकिन यहां से मुखबिरी में नाहरगढ़ थाने ने लावारिसी में पकड़ा है। घटना अनुसार 13 मार्च को थाना नाहरगढ पर पदस्थ सउनि कन्हैयालाल यादव को मुखबिर ने खबर की। इस पर रूपणी-कचनारा रोड पुलिया के पास ग्राम फतेहगढ पर लावारिस हालत में खडे ट्रक क्रमांक जीजे 16 एसी 7576 को फोर्स की मदद से तलाशी लेते ट्रक में 350 अंग्रेजी शराब की पेटीया भरी होना पाई गई। बाद शराब को जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट में अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। जब्त शराब की क़ीमत पुलिस ने 50 लाख आंकी है। इस जोरदार कार्य में थाना प्रभारी नाहरगढ निरीक्षक वरुण तिवारी, सउनि कन्हैयालाल यादव, प्रआर महिपाल सिंह, प्रआर दिलावर सिंह, आरक्षक महेंद्र सिंह, आरक्षक विक्रम सिंह, आरक्षक राजीव सिंह, आरक्षक चालक लियाकत मेव का सराहनीय योगदान रहा।

कचनारा चौकी के हत्थे चढ़े दो आरोपी, 4 किलो 208 ग्राम अफीम मिली, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कचनारा चौकी के हत्थे दो आरोपी चढ़े है, जिनके कब्जे से 4 किलो 208 ग्राम अफीम होना बताया गया है। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर संपादित की गई। धरपकड़ में थाना प्रभारी दलौदा शुभम व्यास व चौकी प्रभारी कचनारा उनि पूर्णिमा सिंह सहित टीम रही। घटना का संक्षिप्त विवरण दिनांक 12 मार्च को सहायक उपनिरीक्षक सीताराम शर्मा व टीम द्वारा वरिष्ट अधिकारियो के दिशा निर्देशन मे मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए आक्या सरसौद मार्ग हनुमान मंदिर आश्रम के पास ग्राम आक्या से आरोपीगण टम्मु सिंह पिता अमर सिह देवडा राजपुत उम्र 36 वर्ष निवासी बेहपुर थाना भावगढ़ एवं दिलीप सिंह पिता सरदार सिंह डोडिया राजपुत उम्र 45 वर्ष निवासी नवेली थाना कालूखेडा जिला रतलाम के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 04 किलो 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम व अवैध मादक पदार्थ के परिवहन मे प्रयुक्त मोटर सायकल को पकड़ा गया है। आरोपीगण टम्मु सिंह व दिलीप सिंह से जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ अफीम को लाने व ले जाने के संबंध में पुछताछ करते जप्तशुदा अवैध मादक पदार्थ अफीम टम्मुसिह पिता गोकुल सिह देवडा राजपुत निवासी बेहपुर थाना भावगढ से लाना बताया जिस पर प्रकरण में टम्मुसिह पिता गोकुल सिंह देवडा राजपुत निवासी बेहपुर थाना भावगढ की संलिप्ता स्पष्ट होने पर उसको भी सह आरोपी बनाया जाकर प्रकरण मे धारा 29 एन डी पी एस एक्ट की वृद्धि की गई। फरार आरोपी टम्मुसिह पिता गोकुल सिंह की तलाश लगातार जारी है। इस सराहनीय कार्य में पुलिस टीम थाना दलौदा व पुलिस चौकी कचनारा टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सीपीएस पद्धति में अफीम डोडे तोड़ने की अनुमति की मांग तेज, किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र ने केन्द्रीय वित्तमंत्री को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया क्षेत्र सहित मंदसौर-नीमच अंचल के अफीम उत्पादक किसानों की समस्या को लेकर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र ने केन्द्रीय वित्तमंत्री को पत्र लिखकर सीपीएस पद्धति के तहत अफीम डोडे तोड़ने की अनुमति शीघ्र जारी करने की मांग की है। किसान नेता ने बताया कि नारकोटिक्स विभाग द्वारा मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई किसानों को पारंपरिक चीरा पद्धति के अलावा सीपीएस पद्धति के तहत भी अफीम के पट्टे जारी किए गए हैं। इस पद्धति में किसानों को अफीम निकालने के लिए डोडों पर चीरा नहीं लगाना होता, बल्कि पूरी तरह पके हुए साबुत डोडे नारकोटिक्स विभाग को तय मानक के अनुसार जमा करवाने होते हैं।

आमतौर पर नारकोटिक्स विभाग की टीम खेतों में पहुंचकर डोडों का संग्रहण करती है और यह प्रक्रिया अप्रैल माह के अंत तक चलती है। लेकिन जब तक विभाग की टीम खेतों तक नहीं पहुंचती, तब तक किसानों को अपनी फसल की सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेतों में अफीम की फसल पककर तैयार खड़ी है, लेकिन अभी तक डोडे तोड़ने को लेकर कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं हुआ है। इससे हजारों किसानों में चिंता और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। किसान नेता जोकचन्द्र ने अपने पत्र में बताया कि पिछले वर्ष इसी माह में सीपीएस पद्धति के तहत किसानों को अपने खेतों में खड़ी अफीम के डोडे स्वयं तोड़ने की अनुमति दी गई थी। उस समय किसानों ने गांव के मुखिया की मौजूदगी में डोडे तोड़कर उनका वजन दर्ज कराया था, जिससे किसानों को काफी राहत मिली थी।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी क्षेत्र के अधिकांश किसानों के खेतों में अफीम की फसल पककर तैयार हो चुकी है और डोडे पूरी तरह विकसित हो गए हैं। लेकिन दिल्ली से अभी तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ है, जिसके कारण किसान असमंजस में हैं कि डोडे कब और किस प्रक्रिया से तोड़े जाएंगे। जोकचन्द ने बताया कि जब तक अफीम के डोडे नहीं तोड़े जाते, तब तक किसानों को लगातार अपनी फसल की रखवाली करनी पड़ती है। कई किसान रात-रात भर खेतों में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। डोडों की चोरी होने का खतरा भी लगातार बना हुआ है, जिसके कारण किसानों में भय और चिंता का माहौल है। साथ ही ज्यादा समय से फसल खेत में खड़ी रहने से डोडो से निकलने वाला खसखस (पोस्तदाना) खेतों में नष्ट हो जाता है, जिससे किसानों को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर डोडे तोड़ने की अनुमति मिल जाए तो किसानों को राहत मिल सकती है और फसल सुरक्षित तरीके से जमा हो सकेगी। श्यामलाल जोकचन्द्र ने केन्द्रीय वित्तमंत्री से अनुरोध किया है कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी किसानों को यह अधिकार दिया जाए कि वे गांव के मुखिया की मौजूदगी में स्वयं अपने खेतों में अफीम के डोडे तोड़ सकें और उनका वजन दर्ज करवाकर सुरक्षित रख सकें। बाद में मुखिया के माध्यम से यह डोडे नारकोटिक्स विभाग को सौंप दिए जाएं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से किसानों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिलेगी और फसल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। किसान नेता ने बताया कि यदि इस संबंध में शीघ्र आदेश जारी किए जाते हैं तो मध्यप्रदेश और राजस्थान के हजारों अफीम उत्पादक किसानों को राहत मिलेगी। मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ क्षेत्र के किसान विशेष रूप से इस फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्तमंत्री से मांग की है कि नारकोटिक्स विभाग को तत्काल निर्देशित कर सीपीएस पद्धति के अंतर्गत अफीम डोडे तोड़ने की अनुमति जारी की जाए, ताकि किसानों को अपनी फसल की सुरक्षा के लिए रात-रात भर खेतों में जागकर पहरा देने की मजबूरी से राहत मिल सके और पूरी प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

राजस्व अधिकारियों द्वारा गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति के लिए कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जावरा क्षेत्र में सिद्धि विनायक भारत गैस एजेंसी एवं वर्धमान गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया । धामनोद में कुलदीप इंडेन गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया। आलोट क्षेत्र में एसडीएम आलोट रचना शर्मा द्वारा बीपीसी दक्षिणेश्वरी गैस एजेंसी एवं गोदाम का निरीक्षण किया गया । रतलाम शहर मे एसडीएम आर्ची हरित द्वारा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं वितरको को शासन के निर्देशानुसार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये । उपलब्ध स्टॉक और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया गया।

सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने की दशा माता की पूजा, पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर मांगी सुख-समृद्धि की कामना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर सहित आसपास के अंचलों में शुक्रवार को दशा माता का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से दशा माता की पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि तथा मंगल की कामना की। सुबह से ही मंदिरों और पीपल वृक्षों के आसपास महिलाओं की भीड़ दिखाई दी, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजन संपन्न हुआ।

हिंदू धर्म में देवी पार्वती के अनेक स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिनमें दशा माता का भी विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता का व्रत और पूजन किया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 13 मार्च, शुक्रवार को मनाया गया। धर्मग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि दशा माता का व्रत करने से जीवन की विपरीत परिस्थितियां दूर होती हैं और घर-परिवार में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

दशा माता पूजन के दौरान महिलाओं द्वारा सोलह श्रृंगार कर पूजा करने की परंपरा है, जिसे सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पीपल, नीम तथा बरगद जैसे त्रिवेणी वृक्षों की पूजा करती हैं। सनातन परंपरा में इन वृक्षों को अत्यंत पवित्र माना गया है और मान्यता है कि इनमें देवताओं का वास होता है।

पूजन के दौरान महिलाएं पीपल वृक्ष पर कुमकुम, मेहंदी, लच्छा, सुपारी और अक्षत अर्पित करती हैं तथा वृक्ष के चारों ओर सूत या धागा लपेटकर परिक्रमा करती हैं। इसके बाद पीपल की छाल, जिसे स्थानीय परंपरा में ÷सोना÷ कहा जाता है, श्रद्धा के साथ घर लाकर तिजोरी में रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और परिवार में खुशहाली बनी रहती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दशा माता का व्रत व्यक्ति के जीवन की दशा को सुधारने वाला माना गया है। कहा जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से घर-परिवार में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, कष्टों से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। यही कारण है कि महिलाओं में इस व्रत के प्रति विशेष आस्था देखने को मिलती है।

शुक्रवार को शहर के विभिन्न मंदिरों और पूजा स्थलों पर शुभ मुहूर्त में महिलाओं ने सामूहिक रूप से दशा माता की पूजा कर व्रत किया और परिवार की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। पूरे शहर में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा।

रोटरी प्रतिनिधिमंडल ने किया संसद भवन का अवलोकन किया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिया मंदसौर आने का न्यौता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने देश की राजधानी दिल्ली पहुंचकर भारतीय लोकतंत्र के मंदिर, नई संसद भवन (लोकसभा) का अवलोकन किया व दर्शक दीर्घा में बैठकर विश्वास प्रस्ताव के पश्चात लोकसभा अध्यक्ष द्वारा दिये गए उद्बोधन का प्रत्यक्ष श्रवण किया। लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता के मार्गदर्शन एवं पूर्ण सहयोग से आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें अष्टमुखी श्री पशुपतिनाथजी की चांदी की प्रतिमा भेंट कर मंदसौर आने का निमंत्रण किया। श्री ओम बिरला ने रोटरी की सेवाओं की सराहना करते हुए इस निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। यात्रा के दौरान रोटरी सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व राज्य सभा सांसद बंशीलाल लाल गुर्जर से भी सौजन्य भेंट करी। इस यात्रा में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के मंडल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा, डिस्ट्रिक्ट 3040 के डीएलएफ गजेंद्र नारंग, डिस्ट्रिक्ट 3012 के पूर्व मंडलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, के सहित रोटरी सदस्य प्रहलाद काबरा, संजय गोठी, भूपेंद्र सोनी, कपिल भंडारी, संजय जैन, मीनाक्षी गुप्ता, नीरू बंसल, अनिल चौधरी, प्रदीप श्रीवास्तव, पवन लोहार, पवन माहेश्वरी, अर्पित बाकलीवाल, केतन कोठारी, रितेश भंडारी, चंचल सोनी सुरेश धनोतिया,सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद के घर के पास दशा माता की पूजा करते समय महिलाओं पर मधुमक्खियों का हमला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को मंदसौर के नई आबादी क्षेत्र में स्थित सांसद सुधीर गुप्ता के निवास क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बड़ा हादसा होने से बच गया। सांसद के घर के पास स्थित बगीचे में महिलाएं पीपल के पेड़ के नीचे दशा माता की पूजा कर रही थी। इसी दौरान पेड़ पर लगा मधुमक्खी का छत्ता उड़ गया। वहां पूजा कर रही महिलाओं में भगदड़ मच गई। लगभग 15 महिलाओं को मधुमक्खियों ने डंक मारे हैं। दो महिलाओ को ज्यादा डंक लगने से अस्पताल ले जाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सांसद निवास के पास बगीचे में लगभग 50 महिलाएं पूजा कर रही थी। इसी दौरान पीपल के पेड़ पर बने छत्ते से मधुमक्खियां उड़ने लगी। नीचे पूजा कर रही महिलाओं पर हमला कर दिया। इसमे लगभग 15 महिलाओं को मधुमक्खियां के डंक लगे हैं। हमले से घायल महिलाओं की पूजा अधूरी रह गई और सभी को जाना पड़ा। अभी भी वहां मधुमक्खी के दो-तीन छत्ते और लगे हैं। रहवासियों का कहना है कि पहले भी उड़ा था, लेकिन पूरी तरह नहीं हटाया गया था। आज फिर से उड़ा है। मधुमक्खियां के हमले से घायल हुई दो महिलाओं को अस्पताल ले गई है।

कालाखेत में दो व्यापारी के पक्षों के बीच चले लात- घूंसे, चार घायल

वाहन खड़ा करने को लेकर शुरू हुआ विवाद, दोनों पक्षों के संचालक अस्पताल में भर्ती

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के कालाखेत क्षेत्र स्थित रोड नंबर-1 पर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनमोल ज्वेलर्स और डलवानी बाजार के संचालकों के बीच यह विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि गुरुवार को वहां वाहन खड़ा करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। उस दौरान एक वाहन को नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई थी। बताया जाता है कि डलवानी बाजार के संचालक की ओर से अनमोल ज्वेलर्स पक्ष को मोटरसाइकिल ठीक कराने की बात कही गई थी। इसी बात को लेकर शुक्रवार को फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया जिसके बाद स्थानीय लोगों ने बीच बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। मारपीट में डलवानी बाजार के संचालक हनी डलवानी और शंकर डलवानी घायल हुए हैं। वहीं अनमोल ज्वेलर्स के संचालक अक्षत और राजेश को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद चारों घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की तफ़्तीश में जुटी है।

विधायक सखलेचा द्वारा लगातार क्षेत्र में विकास के बढ़ते कदम

सिंगोली में 3 करोड़ 59 लाख की लागत से बनेगा महाविद्यालय का प्रथम तल भवन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सिंगोली स्थित श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय महाविद्यालय में प्रथम तल भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास 14 मार्च 2026 को किया जाएगा। लगभग 3 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन महाविद्यालय की शैक्षणिक सुविधाओं को और सुदृढ़ करेगा।

यह जानकारी सिंगोली भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम मेघवंशी ने देते हुए बताया कि जावद विधानसभा के लोकप्रिय विधायक ओम प्रकाश सखलेचा द्वारा छात्र एवं छात्राओं की गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रथम तल पर नवीन भवन का शिलान्यास कार्यक्रम दोपहर 3 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और नागरिक उपस्थित रहेंगे। नए भवन के निर्माण से महाविद्यालय में कक्षाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सकेगा।

दशोरिया गांव में मिट्टी खोदते समय ढेर में दबी महिलाएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के दसोरिया गांव में शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे एक महिला पीली मिट्टी खोदते समय मिट्टी के ढेर में दब गई। अंतरी बाई (35 वर्ष), जो श्यामलाल मैहर की पत्नी हैं, दक्षा पूजन के लिए मिट्टी निकालने गई थीं, तभी अचानक टीला खिसक गया। घटना के समय उनके साथ मौजूद एक अन्य महिला को कोई चोट नहीं आई। उस महिला के चिल्लाने पर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से मिट्टी हटाई और महिला को बाहर निकाला। बचाव के बाद अंतरी बाई को गरोठ के इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया। उनकी हालत को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर कर दिया गया है। फिलहाल, महिला होश में हैं और बातचीत कर रही हैं, जिससे उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता और सामूहिक प्रयास से महिला की जान बचाई जा सकी। ऐसे हादसे अक्सर तब होते हैं जब लोग घरेलू उपयोग या पूजा-पाठ के लिए पीली मिट्टी खोदते समय ढीली मिट्टी के टीले के ढहने का शिकार हो जाते हैं।

व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं हेतु परामर्श जारी

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डॉ शालिनी श्रीवास्तव द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने के उद्देश्य से सभी व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं (होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, केटरिंग इकाइयाँ, हॉस्टल, संस्थान आदि) को परामर्श जारी किए गए है ।

जारी परामर्श के अनुसार सभी प्रतिष्ठान एलपीजी का न्यूनतम एवं आवश्यकता अनुसार विवेकपूर्ण उपयोग करें तथा अनावश्यक खपत से बचें। जहाँ संभव हो, वहाँ वैकल्पिक ईंधन एवं उपकरणों का उपयोग किया जाए, जैसे- डीजल भट्टियाँ, इलेक्ट्रॉनिक इण्डक्शन, रोटी मेकर, इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरण आदि। प्रतिष्ठान अपने मेन्यू में अस्थायी रूप से ऐसे विकल्प शामिल करें, जिनमें एलपीजी की खपत अपेक्षाकृत कम हो।

सम्पादकीय

हर खरीद में छुपा है आपका अधिकार- जानिए, समझिए, अपनाइए

बाजार की इस विशाल दुनिया में हम सब किसी न किसी रूप में उपभोक्ता हैं। हमारा पहनावा, हमारा भोजन और हमारी रोजमर्रा की सेवाएँ–ये सभी हमें उपभोक्ता की पहचान देती हैं। पर सवाल यह है कि क्या हर उपभोक्ता अपने अधिकारों से सचमुच परिचित है? क्या उसे यह पता है कि बाजार से उसे क्या मिलना चाहिए और क्या नहीं? यदि नहीं, तो यह जागरूकता आखिर आएगी कब और कैसे? इन्हीं प्रश्नों को केंद्र में रखकर हर वर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है, ताकि उपभोक्ता अपने अधिकारों को समझें, उनके लिए आवाज उठाएँ और एक निष्पक्ष व पारदर्शी बाजार व्यवस्था की मांग को मजबूत कर सकें।

तेजी से बदलते बाजार में उपभोक्ता की सुरक्षा और विश्वास सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। इसी संदर्भ में वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम ÷सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता÷ निर्धारित की गई है। यह केवल औपचारिक विषय नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं में सुरक्षा और भरोसा मजबूत करने का संदेश है। जब बाजार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रूपों में तेजी से फैल रहा है, तब उत्पादों की सुरक्षा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है। इसलिए उपभोक्ताओं को सुरक्षित, प्रमाणित और भरोसेमंद उत्पाद व सेवाएँ मिलना जरूरी है। साथ ही बाजार व्यवस्था भी ऐसी होनी चाहिए, जहाँ पारदर्शी, गुणवत्ता और सुरक्षा के साथ विकल्प उपलब्ध हों, ताकि उपभोक्ता विश्वास के साथ खरीदारी कर सकें।

केवल उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी देना ही पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती यह है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग अपने अधिकारों से अनजान हैं। उन्हें यह तक पता नहीं होता कि खराब गुणवत्ता का उत्पाद मिलने या किसी सेवा में धोखा होने पर शिकायत कहाँ और कैसे दर्ज कराई जाए। कई बार लोग शिकायत करने से इसलिए भी बचते हैं कि उन्हें लगता है, इससे कोई ठोस बदलाव नहीं होगा। यही उदासीन सोच और चुप्पी व्यापारिक अनियमितताओं को पनपने का अवसर देती है।

अक्सर बाजार में उपभोक्ता गलत जानकारी, भ्रामक विज्ञापनों, मिलावटी उत्पादों और अनुचित कीमतों का शिकार बनते हैं। डिजिटल युग ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जहाँ ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी और नकली उत्पादों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में उपभोक्ताओं का जागरूक होना और अपने अधिकारों की रक्षा करना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया है, जो उन्हें सुरक्षा, सूचना, सुनवाई, शिकायत निवारण और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार देता है। लेकिन ये कानून तभी प्रभावी बनते हैं, जब उपभोक्ता स्वयं सतर्क और जागरूक हो। वैश्विक स्तर पर भी अब उपभोक्ता अधिकारों को एक नई दिशा देने की पहल हो रही है। अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता संगठन और इसके सदस्य संगठन टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने और उसे सरल व सुलभ बनाने के प्रयास कर रहे हैं। यदि उपभोक्ता अपनी खरीदारी की आदतों में बदलाव लाएँ, तो वे न केवल अपने स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। प्लास्टिक के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को अपनाना, जैविक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना और अनावश्यक उपभोग से बचना–ये सभी टिकाऊ जीवनशैली की ओर सकारात्मक कदम हैं। हालाँकि यह परिवर्तन तभी संभव है, जब उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदारी निभाएँ। हर व्यक्ति को अपने क्रय-विक्रय के निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए। किसी भी वस्तु को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता की जाँच करना, प्रमाणित विक्रेताओं से ही खरीदारी करना और किसी धोखाधड़ी या अनुचित व्यवहार की स्थिति में उचित मंच पर शिकायत दर्ज कराना जरूरी है। जब उपभोक्ता सचेत और सक्रिय होंगे, तभी कंपनियाँ भी अधिक जवाबदेह बनेंगी और बाजार में अनुचित व्यापारिक प्रथाओं पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा। यह अवसर महज़ जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का भी समय है। यह हमें याद दिलाता है कि उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग और सतर्क रहें तथा हर खरीद-फरोख्त का निर्णय समझदारी, जिम्मेदारी और दूरदृष्टि के साथ लें। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने अधिकारों को भली-भाँति समझेगा और टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने की दिशा में सचेत कदम बढ़ाएगा, तब निश्चित रूप से एक ऐसी बाजार व्यवस्था का निर्माण संभव होगा जो न्यायसंगत, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल हो। उपभोक्ता अधिकारों की अवधारणा किसी एक दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर चलने वाली एक व्यापक सामाजिक प्रक्रिया है। यह केवल व्यक्तिगत सुरक्षा और सुविधा का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरे समाज की भलाई, पारदर्शिता और संतुलित विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। जब उपभोक्ता अपने अधिकारों को सही मायनों में समझेंगे, अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के विरुद्ध साहसपूर्वक आवाज उठाएँगे और जागरूक होकर टिकाऊ विकल्पों को अपनाएँगे, तभी वास्तव में एक संतुलित, न्यायपूर्ण और सशक्त उपभोक्ता संस्कृति का निर्माण संभव हो सकेगा।

वैश्वीकरण व असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग से

जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि , हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है।

जब कुंडलिनी सहस्त्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अतः आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें आपके साथ सहज ही घटित होती हैं। आप पहले से ही इसी तरह से बनाए गए हैं जिस तरह यहां सभी बिजली के बल्ब पहले से ही लगे हुए हैं, उसी प्रकार आपके अंदर ही सब कुछ बना बनाया हुआ है। अगर आपको रोशनी करनी है तो आपको बस उस बटन को दबाना मात्र है। परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं।

राष्ट्रवाद का बदलता स्वरूप, सत्ता बनाम सेवा और समर्पण

वर्तमान समय में राष्ट्रवाद अपने सबसे जटिल, विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है, यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग, नैतिक साहस, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है, आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार, आज जब चुनावी सभाओं, टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म, जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है, हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं, सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफ खड़े होने का प्रमाण बताया गया है, यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है, अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास, रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद, चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है, भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सहअस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है, मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है, हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है, जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा, पशु व्यापार, भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है, अति राष्ट्रवाद का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है, भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का, और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया।

एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्ररक्षा के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है, भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति, बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मीडिया के एक बड़े हिस्से द्वारा सत्ता समर्थक राष्ट्रवादी नैरेटिव का प्रसार, सोशल मीडिया पर ट्रोल संस्कृति और चयनित सूचना का उग्र प्रसार लोकतांत्रिक संवाद को संकीर्ण और आक्रामक बना रहा है, ऐसे समय में सिविल सोसाइटी, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका निर्णायक हो जाती है, यदि यह वर्ग चुप रहता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे आत्मसमर्पण कर देगा, राष्ट्रवाद का पुनर्पाठ आवश्यक है जहाँ राष्ट्र सरकार से बड़ा हो, संविधान सत्ता से ऊपर हो और नागरिक की गरिमा सर्वोपरि मानी जाए, राष्ट्र प्रेम का अर्थ प्रश्न करना, जवाबदेही माँगना और संस्थाओं को मजबूत करना भी होना चाहिए, न कि केवल नारे लगाना और भीड़ का हिस्सा बन जाना, तात्कालिक लोकप्रियता, भावनात्मक ध्रुवीकरण और सत्ता लोलुपता के स्थान पर दीर्घकालिक नीतिगत दूरदर्शिता, सामाजिक संतुलन और संवैधानिक नैतिकता को केंद्र में लाना ही लोकतंत्र को बचा सकता है, अन्यथा राष्ट्रवाद का यह बदला हुआ रूप राष्ट्र को जोड़ने के बजाय उसे भीतर से खोखला करता चला जाएगा और इतिहास एक बार फिर हमें चेतावनी देगा कि लोकतंत्र का पतन अचानक नहीं बल्कि तालियों, नारों और मौन के बीच धीरे-धीरे होता है।

-संजीव ठाकुर

सरकार के हाथ मजबूत करे निजी क्षेत्र

जहां एक तरफ कई देशों में वृद्ध आबादी बढ़ती जा रही है और जापान तथा इटली जैसे देश घटती जन्म दर से जूझ रहे हैं, वहीं दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में कामकाजी उम्र के लोगों की जनसंख्या बरकरार है। आज भारत में दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। देश की सबसे बड़ी ताकत देश के युवा हैं। युवा संभावनाशील शक्ति बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

जरूरत है इस ऊर्जा को सही दिशा देकर एक मजबूत आर्थिक ताकत में रूपांतरित किया जाए। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए गत दिनों संसद में पेश केंद्रीय बजट में युवाओं को सिर्फ 'भविष्य' नहीं कहा गया, बल्कि उन्हें वर्तमान में 'भविष्य का निर्माणकर्ता' माना गया है। इन भविष्य के निर्माताओं को सफल बनाने के लिए जरूरी है कि उनके लिए अवसरों की ऐसी सीढ़ी तैयार की जाए, जिससे वे अपनी रुचियों और कौशल का सही उपयोग कर नई ऊंचाइयां छू सकें। युवा जनसांख्यिकी के लिए पढ़ाई और रोजगार का ऐसा परिवेश तैयार करना होगा, जो उन्हीं की तरह विविध, बहुआयामी और गतिशील हो।

जमीनी वास्तविकताओं और अंतर क्षेत्रीय जटिलताओं को समझते हुए सरकार ने बजट में प्रतिभाओं में निवेश को प्राथमिकता दी है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी योजनाएं शुरू की गईं, जिन्होंने चुनिंदा क्षेत्रों में प्रशिक्षण को उद्योग के साथ जोड़ा और इस साझेदारी से कौशल अंतर को पाटने की कोशिश की। बजट इन योजनाओं को और विस्तार तो देता ही है, साथ ही नए अवसरों की घोषणा भी करता है। भारत की विशिष्टताओं को ध्यान में रख कर देखें तो बजट युवा-केंद्रित प्राथमिकताओं को उकेरता है। भारत की डिजिटल क्षमता उसकी पहली बड़ी ताकत है। भारत तेजी से मोबाइल-आधारित क्रिएटर इकोनमी बन रहा है।

आज युवा सिर्फ कंटेंट देखना नहीं चाहते, वे कंटेंट बनाना भी चाहते हैं। डिजिटल क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के लिए हमें डिजिटल माडल्स को सीखने पर जोर देना होगा। रचनात्मक क्षेत्रों में विकास को ध्यान में रख कर बजट में 15,000 स्कूलों और 500 कालेजों में एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कामिक्स के लिए कंटेंट क्रिएटर लैब बनाने का प्रस्ताव है। इन लैब्स के जरिये युवा तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना सीखेंगे जिससे उनकी रचनात्मक आकांक्षाओं को सही औपचारिक स्वरूप मिलेगा और वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक कौशल विकसित कर पाएंगे।

दूसरा अहम स्तंभ है उद्यमिता। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से छोटे शहरों और सुदूर क्षेत्रों तक विस्तार पा रहा है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के आवंटन में 62 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी इसका प्रमाण है कि सरकार भविष्य के लिए सही कौशल से लैस सक्रिय कार्यबल बनाने को लेकर गंभीर है। बजट में टियर-2 और टियर-3 शहरों में इकोनमिक रीजन विकसित करने की बात कही गई है। उद्यमिता और आर्थिक विकास को साथ जोड़ते हुए बात ऐसे शहरों की हो रही है।

-धनंजय राजौरा

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाज़ियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

-ललित गर्ग

इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील फैसला

भारत की न्याय व्यवस्था केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था भर नहीं है, बल्कि वह समाज के नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था भी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय इसी मानवीय दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। पिछले तेरह वर्षों से स्थायी वनस्पतिक अवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हरीश राणा के मामले में अदालत ने उनके परिजनों को जीवन-रक्षक चिकित्सा उपकरण हटाने की अनुमति प्रदान की। यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की गरिमा, पीड़ा और नैतिक दायित्वों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी है। इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पर्दिवाला और न्यायमूर्ति विस्वनाथं की पीठ ने जिस संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया, वह भारतीय न्याय व्यवस्था की गरिमा को दर्शाता है। विशेष रूप से निर्णय सुनाते समय न्यायमूर्ति पारदीवाला का भावुक होना इस बात का संकेत है कि न्यायालय केवल विधिक तर्कों के आधार पर नहीं चलता, बल्कि वह मानवीय पीड़ा को भी गहराई से समझने का प्रयास करता है।

इच्छामृत्यु का प्रश्न लंबे समय से समाज, चिकित्सा विज्ञान और कानून के बीच बहस का विषय रहा है। सामान्य शब्दों में इच्छामृत्यु का अर्थ है ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना, जब उसका जीवन असाध्य बीमारी या असहनीय पीड़ा से घिरा हो और उसके स्वस्थ होने की कोई संभावना न हो। भारतीय कानून में सक्रिय इच्छामृत्यु अर्थात किसी को जानबूझकर मृत्यु देना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन निष्क्रिय इच्छामृत्यु अर्थात जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति कुछ विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है।

हरीश राणा का मामला इसी निष्क्रिय इच्छामृत्यु से जुड़ा हुआ है। वे पिछले तेरह वर्षों से ऐसी अवस्था में हैं जिसे चिकित्सा विज्ञान में स्थायी वनस्पतिक अवस्था कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति जीवित तो रहता है, परंतु उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएं लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह स्वयं निर्णय लेने, बोलने या सामान्य प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होता। ऐसे रोगियों का जीवन प्रायः कृत्रिम उपकरणों और निरंतर चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर रहता है।

किसी भी परिवार के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है। वर्षों तक अपने प्रियजन को अचेत अवस्था में देखना मानसिक और भावनात्मक रूप से अत्यंत कठिन अनुभव होता है। इसके साथ-साथ आर्थिक बोझ भी लगातार बढ़ता जाता है। इसलिए कई बार परिवार यह कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर हो जाता है कि क्या केवल मशीनों के सहारे जीवन बनाए रखना वास्तव में उचित है।

यहीं से इच्छामृत्यु का नैतिक प्रश्न सामने आता है। एक ओर मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाता है और उसे हर परिस्थिति में बचाने का प्रयास किया जाता है। दूसरी ओर यह भी प्रश्न उठता है कि यदि जीवन केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित रह जाए और उसमें चेतना, संवाद और मानवीय अनुभव समाप्त हो जाएं, तो क्या उसे उसी प्रकार जीवन कहा जा सकता है जैसा हम सामान्य रूप से समझते हैं।

भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर इन जटिल प्रश्नों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास किया है। पहले भी अदालत यह स्पष्ट कर चुकी है कि व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या व्यक्ति को गरिमा के साथ मृत्यु प्राप्त करने का अधिकार भी होना चाहिए। हालांकि इस विषय में अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक है, ताकि इसका किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न हो सके।

इसी कारण भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिए कड़े नियम निर्धारित किए गए हैं। किसी भी व्यक्ति के मामले में जीवन-रक्षक उपचार हटाने का निर्णय केवल परिवार की इच्छा से नहीं लिया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकों की विशेषज्ञ समिति, विस्तृत चिकित्सा परीक्षण और न्यायिक अनुमति जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्णय पूरी तरह मानवीय हित और चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर लिया जाए।

हरीश राणा के मामले में भी अदालत ने सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही यह निर्णय दिया। इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह समाज को यह सोचने का अवसर देता है कि जीवन की गरिमा का वास्तविक अर्थ क्या है। केवल शारीरिक अस्तित्व बनाए रखना ही जीवन का उद्देश्य नहीं हो सकता। जीवन में चेतना, संवाद, अनुभव और मानवीय संबंधों का भी उतना ही महत्व है।

इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि इच्छामृत्यु जैसे विषय पर समाज में गंभीर और जिम्मेदार चर्चा हो। कुछ लोग इसे मानवीय पीड़ा से मुक्ति का माध्यम मानते हैं, जबकि कुछ इसे जीवन के मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन स्थापित करना ही कानून और समाज की सबसे बड़ी चुनौती है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी इस विषय को प्रभावित करती हैं। अनेक परंपराओं में जीवन को ईश्वर का उपहार माना जाता है और उसकी समाप्ति को केवल प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसलिए इच्छामृत्यु के प्रश्न पर लोगों की भावनाएं भी गहराई से जुड़ी होती हैं।

फिर भी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और बदलती सामजिक परिस्थितियों ने इस विषय को नई दृष्टि से देखने की आवश्यकता उत्पन्न कर दी है। आज चिकित्सा तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि कई बार व्यक्ति को लंबे समय तक कृत्रिम रूप से जीवित रखा जा सकता है। ऐसे में यह प्रश्न और अधिक जटिल हो जाता है कि क्या हर परिस्थिति में जीवन को इसी प्रकार बनाए रखना उचित है।

इस संदर्भ में अदालत का यह निर्णय संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह फैसला न केवल कानून की मर्यादा का पालन करता है, बल्कि मानवीय संवेदना को भी सम्मान देता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जीवन की गरिमा और मानवीय पीड़ा दोनों को ध्यान में रखते हुए ही ऐसे मामलों में निर्णय लिया जाना चाहिए।

यह निर्णय स्वास्थ्य व्यवस्था और नीति-निर्माताओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। भविष्य में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि चिकित्सा तकनीक लगातार विकसित हो रही है। इसलिए आवश्यक है कि स्पष्ट दिशानिर्देश और पारदर्शी प्रक्रियाएं विकसित की जाएं, ताकि मरीजों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और मानसिक तनाव का सामना न करना पड़े।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

अपर कलेक्टर सोलंकी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का आयोजन हुआ

पूर्ण नल जल योजनाओं को शीघ्र हस्तांतरण करने एवं स्व सहायता समूह के माध्यम से शुल्क संग्रहण के निर्देश दिये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बैठक का आयोजन अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। बैठक में युनिसेफ, वाल्मी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में देवास जिले के 02 ब्लॉक सोनकच्छ एवं बागली के 10 गामों में संचालित समुदाय संचालित आदर्श नलजल योजना के अतंर्गत किए गए कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया गया तथा योजना के क्रियान्वयन तथा संचालन में अन्य विभागों की भूमिका एवं अपेक्षा के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान लक्षित ग्रामों से आए सरपंच, नलजल मित्र तथा जल सखियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया गया। बैठक में नलजल मित्रों के अनुबंध की प्रकिया पर जिला पंचायत द्वारा विचार करने एवं योजना हस्तांतरण उपरांत सुविधा शुल्क संग्रहण के लिये अधिक से अधिक स्व सहायता समूह को

जोडने के लिये निर्देशित किया गया।

इस दौरान नलजल योजना अंतर्गत ग्राम बीसाखेडी में जल सखी श्रीमती विमला राणा को विज्ञान भवन दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में जल महोत्सव कार्यक्रम के दौरान सचिव जलशक्ति मंत्रालय के द्वारा प्रदान किये गये सम्मान पत्र को अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अमित सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्रियान्वित योजनाओं की ग्रामवार जानकारी प्रस्तुत करते हुये बताया कि जिले में कुल 645 एकल नलजल योजना संचालित है। जिसमें 512 ग्राम का कार्य पूर्ण तथा 133 योजना प्रगतिरत है। जिले में 430 योजना पंचायत को हैंडओवर हो गई तथा शेष 82 योजना जहां कार्य पूर्ण हो गया एवं हस्तांरण की प्रकिया शेष है। अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी 82 योजना को जल्द हस्तांतरण करने के निर्देश लो.स्वा.यात्रिकी विभाग एवं संबधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को दिये।

मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा जिले में क्रियान्वयन की जा रही 03 समूह नलजल योजना की प्रगति का प्रस्तुतिकरण जल निगम की प्रबंधक सुश्री आयुषी जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया की पुंजापुरा समूह नलजल योजना के अंतर्गत संचालन एवं संधारण का कार्य किया जा रहा हैं। नेमावर-हाटपीपल्या समूह जल प्रदाय योजना से 95 ग्रामों में जल प्रदाय चालू कर दिया है।शेष 40 ग्रामों में टेस्टिंग कार्य किया जा रहा है तथा कन्नौद-खातेगांव समूह जलप्रदाय योजना का कार्य 62 प्रतिशत पूर्ण होकर कार्य प्रगति पर है।

बैठक में जिला जल स्वच्छता मिशन के सदस्यगण, लो.स्वा.यां.विभाग के कार्यपालन यंत्री, जल निगम प्रबधंक, विभिन्न शासकीय विभागों के जिला अधिकारी एवं प्रतिनिधि, समस्त जनपद पंचायत के कार्यपालन अधिकारीगण, युनिसेफ से संभागीय सलाहकार श्री यासीन खान तथां लो.स्वा.यां.विभाग सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा जिला तथा ब्लाक समन्वयक,एवं जिला फैसीलिलेटर एवं पी.एम.यू. टीम तथा लक्षित ग्रामों के ग्राम के सरपंच, जल सखी तथा नलजल मित्र बैठक में उपस्थित थे।

चलती ट्रेन से गिरा नेपाली युवक, सिर में आई गंभीर चोट

एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता से बची जान, जिला अस्पताल में उपचार जारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अहमदाबाद से दरभंगा जा रही यात्री ट्रेन में उस समय हड़कंप मच गया, जब गेट के पास बैठा नेपाल निवासी एक युवक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। आक्या चौहानी के समीप हुए इस हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि, आपातकालीन सेवा के ईएमटी और पायलट की त्वरित कार्रवाई से घायल को समय पर इलाज मिल गया, जिससे उसकी जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेपाल का रहने वाला 19 वर्षीय प्रदीप डिग बहादुर अपने 17 वर्षीय साथी राबिन बुद्धिमान के साथ यात्रा कर

रहा था। सफर के दौरान प्रदीप ट्रेन के गेट पर बैठा हुआ था। इसी बीच आक्या चौहानी के पास अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन से सीधे नीचे जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के ईएमटी जितेन्द्र देवतवाल और पायलट ललित शर्मा बिना समय गंवाए घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने अत्यधिक खून बहने से रोकने के लिए घायल युवक को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और तत्परता दिखाते हुए उसे शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

सूचना का अधिकार अधिनियम के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सूचना का अधिकार अधिनियम के विषय पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण 11 एवं 12 मार्च 2026 को ई-दक्ष केंद्र शाजापुर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारियों, सहायक लोक सूचना अधिकारियों, शाखा प्रभारियों एवं संबंधित शासकीय सेवकों सहित 45 प्रशिक्षणार्थियों को सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों, संशोधनों तथा नवीन तकनीकी माध्यमों की समग्र जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की मूल अवधारणा, आवेदन की प्रक्रिया एवं अपील का समय-सीमा में निराकरण, द्वितीय अपील की प्रक्रिया, दंड प्रावधान, नवीन संशोधनों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में गुरूवार को आयोजित शिविरों में 4023 हितग्राही हुए लाभान्वित

सोमवार 16 मार्च को ग्राम बरझाई, चापड़ा, सांवेर, कुलाला, डोकाकुई और दीपगांव में आयोजित होगा शिविर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में ''संकल्प से समाधान अभियान के तहत केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं/सेवाओं का हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करने के लिए 18 मार्च तक सभी विकासखण्डों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में क्लस्टर स्तर पर हितलाभ वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत शुक्रवार को विकासखण्ड देवास के ग्राम सिया,विकासखण्ड सोनकच्छ के ग्राम चौबाराजागीर, विकासखण्ड टोंकखुर्द के ग्राम कन्हैरिया, विकासखण्ड बागली के ग्राम कमलापुर, विकासखण्ड कन्नौद के ग्राम बिजवाड़, विकासखण्ड खातेगांव के ग्राम संदलपुर, नगर परिषद टोंकखुर्द, नगर परिषद सोनकच्छ, नगर परिषद भौंरासा, नगर परिषद पीपलरावां में हितलाभ वितरण शिविर आयोजित किये गये। आयोजित शिविरों में 4023 हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 16 मार्च सोमवार को विकासखण्ड बागली के ग्राम बरझाई तथा चापड़ा, विकासखण्ड सोनकच्छ के ग्राम सांवेर एवं कुलाला, विकासखण्ड कन्नौद के ग्राम डोकाकुई, विकासखण्ड खातेगांव के ग्राम दीपगांव में हितलाभ वितरण शिवर आयोजित होंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निबंध और वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की आईक्यूऐसी के द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस पी एस राणा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वाद विवाद और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

मंच साझा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सर्वपाल सिंह राणा के साथ डॉ लीना दुबे डॉ रजत राठौर द्वारा किया गया,जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में उपस्थित छात्र छात्राओं को डॉ सीमा सोनी द्वारा अवगत करवाया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राणा ने अपने उद्बोधन में कहा नदियां ही हर देश की जीवन रेखा होती हे,उनका संरक्षण और संवर्धन जीवन के लिए सबसे जरूरी है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष-प्रथम स्थान छात्रा मनप्रीत कौर एवं द्वितीय छात्रा आरती सौलंकी ने प्राप्त किया साथ ही विपक्ष में शानू नागर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

साथ ही निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था जल गंगा संवर्धन अभियान÷एक सार्थक पहल जिसमें विधार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में डॉ. रूचि धाकड़, डॉ रजत राठौर, डॉ राकेश नागर के साथ महाविद्यालय के छात्र छात्राओं सहित स्टाफ उपस्थित था।

कार्यक्रम संयोजम डॉ सीमा सोनी एवं डॉ ममता लावरे द्वारा किया गया,उक्त जानकारी महाविद्यालय के इको क्लब और युवा पर्यटन क्लब प्रभारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने दी।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिव राज सिंह चौहान 15 मार्च को खातेगांव में दिशा की बैठक में होंगे शामिल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 15 मार्च को सुबह 12.30 बजे खातेगांव पहुंचेंगे और दिशा की बैठक में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे दोहपर 01.30 बजे गुना के लिए प्रस्थान करेंगे।

गेहूं उपार्जन कार्य 1 अप्रैल से होगा प्रारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि रबी विपणन मौसम 2026-27 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर गेहूं उपार्जन का कार्य 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जायेगा। गेहूं उपार्जन का कार्य सोमवार से शुक्रवार प्रातः 08 से सायं 08 बजे तक शासकीय अवकाश दिवस को छोड़कर किया जायेगा। उन?होंने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए जिले के 77 हजार 334 किसानों पंजीयन कराया है। उन?होंने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि अपनी सुविधा अनुसार गेहूं उपार्जन केन्द्र पर स्लॉट बुक कर समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय कर शासन की योजना का लाभ प्राप्त करें।

मोहना जोड़ के समीप बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल, शाजापुर रेफर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मोहना जोड़ के पास हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़ागांव निवासी जितेंद्र 22 वर्ष और पवन 27 वर्ष गुरुवार रात करीब 9.15 बजे बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम मोहना जोड़ के पास वे एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे में दोनों युवक बुरी तरह जख्मी हो गए। राहगीरों से सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम सक्रिय हुई। डायल 112 के पायलट जगदीश चंद्र सोनी और पुलिस टीम के सदस्य विजय गवली व केशव शर्मा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बिना समय गंवाए दोनों घायलों को मोहन बड़ोदिया स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद डॉ. अक्षत डोडिया ने घायलों का तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉ. डोडिया ने बताया कि हादसे में एक युवक के सिर में गहरी चोट आई है, जबकि दूसरे युवक का पैर बुरी तरह जख्मी हुआ है। दोनों युवकों की गंभीर हालत को देखते हुए रात करीब 10.20 बजे उन्हें बेहतर और उन्नत इलाज के लिए शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आयुष विंग शाजापुर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष विभाग शाजापुर के अंतर्गत आयुष विंग शाजापुर द्वारा आगनवाड़ी केन्द्र लक्ष्मी नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. सीमा बड़िया, विनोद कुमार गयंद, मो. रईस मंसूरी द्वारा गर्भवती महिलाओं, किशोरी बालिकाओं बच्चों एवं पुरूषों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में ग्रीष्मकालीन दिनचर्या एवं एच.पी.वी. वैक्सीन की जानकारी देकर किशोरी बालिकाओं को वैक्सीन लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान शिविर में 90 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिले की अन्य संस्था आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुनेरा द्वारा आगनवाड़ी केन्द्र लक्ष्मीपुरा में गर्भवती महिलाओं, किशोरी बालिकाओं, बच्चों एवं पुरूषों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में ग्रीष्मकालीन दिनचर्या एवं एच.पी.वी. वैक्सीन की जानकारी दी गई। शिविर में डॉ. दिव्या दुबे एवं डॉ. नम्रता सोलंकी, प्रियंका खण्डेलवाल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में 55 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

गैस किल्लत की अफवाह से शाजापुर में मची अफरा-तफरी, गोदाम पर उमड़ी भारी भीड़, प्रशासन ने कहा- पर्याप्त है स्टॉक, पैनिक न हों

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गैस सिलेंडर खत्म होने की कोरी अफवाह ने ऐसा तूल पकड़ा कि गैस गोदामों पर ग्राहकों का सैलाब उमड़ पड़ा। लोग अपनी बारी के लिए घंटों लंबी कतारों में जद्दोजहद करते नजर आए। हालात को बिगड़ता देख आनन-फानन में जिला प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा। अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है और आमजन बेवजह अफवाहों का शिकार होकर घबराहट में खरीदारी (पैनिक बाइंग) न करें।

ट्रकों से सीधे बंटे सिलेंडर, घंटों करना पड़ा इंतजार- शुक्रवार सुबह गैस गोदाम पर हालात यह थे कि ट्रकों से उतारकर सीधे उपभोक्ताओं को सिलेंडर बांटे जा रहे थे। गैस एजेंसी के कर्मचारियों के मुताबिक, जो भी उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर पहुंच रहा था, उसे हाथों-हाथ भरा हुआ सिलेंडर दिया जा रहा था। हालांकि, अचानक उमड़ी इस भारी भीड़ के कारण लोगों को घंटों लाइन में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

अफवाहों की हकीकत, जरूरत 3 हजार की, स्टॉक में 13

हजार- गैस की कमी की बातों को पूरी तरह से नकारते हुए खाद्य विभाग के अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने स्थिति साफ की। उन्होंने बताया कि शाजापुर जिले में गैस का भरपूर स्टॉक मौजूद है। पूरे जिले में करीब 3 लाख गैस उपभोक्ता हैं और रोजाना की औसत खपत लगभग 3,000 सिलेंडर है। इसके एवज में प्रशासन के पास वर्तमान में 13,000 सिलेंडरों का सुरक्षित स्टॉक जमा है। अधिकारियों ने अपील की है कि वे घबराहट में जरूरत से ज्यादा सिलेंडर घरों में न भरें।

व्यावसायिक सिलेंडरों की सप्लाई पर अस्थायी रोक- घरेलू उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन ने एक बड़ा ऐहतियाती कदम उठाया है। दुकानों और होटलों में इस्तेमाल होने वाले बड़े (कमर्शियल) सिलेंडरों की सप्लाई पर फिलहाल अस्थायी रोक लगा दी गई है। सभी दुकानदारों और होटल संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गैस की जगह खाना पकाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करें, ताकि घरों की रसोइयों की आग न बुझे।

एसडीएम ने लिया जायजा, होम डिलीवरी के सख्त निर्देश- दोपहर के समय एसडीएम मनीषा वास्कले ने अपनी टीम के साथ सीधे गैस गोदाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उपभोक्ताओं को इस तरह लाइनों में परेशान होते देख उन्होंने अधिकारियों और एजेंसी संचालकों को सख्त लहजे में निर्देश दिए। एसडीएम ने स्पष्ट कहा है कि लोगों को कतारों में खड़ा करके परेशान करने के बजाय, उनके घरों तक सिलेंडर पहुंचाने (होम डिलीवरी) की व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से पुख्ता किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी भीड़ जमा न हो।

शाजापुर में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ दशामाता का पूजन, महिलाओं ने मांगी घर की खुशहाली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली के दसवें दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि पर शुक्रवार को शाजापुर शहर और अंचल में दशामाता का पर्व पूरी आस्था, परंपरा और उल्लास के साथ मनाया गया। घर-परिवार की दशा सुधारने और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने दशामाता का व्रत रखा और विधि-विधान से पीपल के वृक्ष की पूजा-अर्चना की। नगर के प्रमुख क्षेत्रों, कॉलोनियों और मंदिर परिसरों में सुबह से ही भक्तिमय माहौल देखा गया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों (सोलह श्रृंगार)

में सज-धज कर शुभ मुहूर्त में पीपल के पेड़ के पास पहुंचकर सामूहिक रूप से पूजन किया।

पीपल की परिक्रमा और बांधा पवित्र डोरा- पूजन के दौरान महिलाओं ने पीपल के वृक्ष पर जल, रोली, चंदन, हल्दी, मेहंदी और अक्षत अर्पित किए। इसके बाद वृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चे सूत का 10 तार वाला डोरा लपेटा और उसे अपने गले में धारण किया। मान्यता है कि दशामाता का यह पवित्र डोरा साल भर तक परिवार की हर प्रकार के संकटों से रक्षा करता है। पूजन के दौरान महिलाओं ने घर से लाए गए विशेष पकवानों और मिठाइयों का भोग भी लगाया।

ग्राम पंचायत तथा नगर परिषद में 300 से अधिक जल संचय संरचना का निर्माण करने पर प्रथम पुरस्कार 5 लाख रूपये, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 2 लाख रूपये दिये जायेंगे

सचिव एवं सरपंच को भी 10-10 हजार रूपये का नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिया जायेगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत वर्षा के जल का संचयन कर उसे भूमिगत जल संचयन में परिवर्तित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जल संचय जनभागीदारी 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने निर्देश दिये है कि जिले में जल संचयन की कार्यवाही प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगर परिषद में समानांतर रूप से की जाये। जल संचय जनभागीदारी 2.0 अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों तथा नगर परिषदों को पुरस्कृत किया जायेगा। जिले की ग्राम पंचायत तथा नगर परिषद में 300 से अधिक जल संचय संरचना का निर्माण करने पर प्रथम पुरस्कार 05 लाख रूपये, द्वितीय पुरस्कार 03 लाख रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 02 लाख रूपये का पुरस्कार दिया जायेगा। अभियान में अच्छा कार्य करने वाले सचिव एवं सरपंच को 10-10 हजार रूपये का नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र व्यक्तिगत तौर पर दिया जायेगा। विजेता निकाय का चयन उनके द्वारा निर्मित संरचनाओं के भौतिक सत्यापन के आधार पर किया जायेगा। अभियान अंतर्गत वर्षा के जल को बोरवेल रिचार्ज, बंद पड़े बोरवेल को चालू करना, रूफटाप वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण (शासकीय/अशासकीय दोनों), रिचार्ज सॉफ्ट, रिचार्ज पिट, सोखता गड्ढा, कुंआ निर्माण, कंटूर ट्रंच, गली प्लग, नाला बंधान, चेक डेम, खेत तालाब, परकोलेशन टैंक के माध्यम से जल संचय किया जा सकता है।

सुन्दरसी में दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक से गिरकर 35 वर्षीय युवक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुंदरसी थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की जान चली गई। सीएम राइज स्कूल के सामने अपनी मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर गिरने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 35 वर्षीय दिनेश पिता अमृतलाल केवट के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को दिनेश अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान सीएम राइज स्कूल के समीप अचानक उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। हादसे में सड़क पर गिरने की वजह से उसे गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव व चोटों के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर एएसआई राधेश्याम गोयल, ओमप्रकाश पटेल, अमानउल्लाह खान, माखन सिंह और पायलट संतोष देथलिया ने मोर्चा संभाला और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। फिलहाल मर्ग कायम कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में राज्य कर्मचारी महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विरोध में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा शुक्रवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव सोनी के नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर आलोक वर्मा को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष जॉय शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार वर्ष 2011 के पूर्व भर्ती प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जबकि आरटीई एक्ट 2009 की धारा 23 एनसीटीई की अधिसूचना 29 जुलाई 2011 को शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य किया गया था, लेकिन इसके पूर्व ही शिक्षकों की भर्ती हो चुकी थी। वर्ष 2011 से पूर्व भर्ती शिक्षकों के भर्ती नियम में भी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य नहीं थी इसलिए पूर्व के भर्ती शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा लागू नहीं होती है। शर्मा ने बताया कि ज्ञापन में मांग की गई है कि उच्चतम न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका शासन की ओर से दायर की जाए। ज्ञापन सौंपते समय संघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष मोहन किचोलिया, जिला सचिव बनवारीलाल बैरागी, जिला कोषाध्यक्ष गौरव शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुशवाह, पदाधिकारी किशोर महाजन, अमित पारछे, हेमंत वेद्य आदि मौजूद थे।

बदनावर की गर्भवती महिला के साथ बड़नगर के सोनोग्राफी सेंटर में अभद्रता

मुख्यमंत्री और कलेक्टर से शिकायत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। बड़नगर स्थित शुभ सोनोग्राफी एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक और कर्मचारियों पर एक गर्भवती महिला के साथ बदसलूकी, मानसिक प्रताड़ना और नियमों को ताक पर रखकर सेंटर चलाने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित महिला ने न्याय के लिए मुख्यमंत्री, कलेक्टर और जिला चिकित्सा अधिकारी का दरवाजा खटखटाया है।

क्या है पूरा मामला- इंदौर निवासी और वर्तमान में बदनावर (जिला धार) में रह रही गर्भवती महिला आशिका चौहान ने बताया कि वे चिकित्सक की सलाह पर 12 मार्च 2026 को बड़नगर के शुभ सोनोग्राफी सेंटर पहुंची थीं। महिला का आरोप है कि सेंटर पर संचालक डॉ. शुभम खटोड़ मौजूद नहीं थे, फिर भी वहां के कर्मचारी ने उनकी सोनोग्राफी की।

जब पीड़िता ने सोनोग्राफी के लिए 2500 रुपये की भारी-भरकम राशि (जो अन्य सेंटरों से काफी अधिक है) पर सवाल उठाया, तो कर्मचारी आपा खो बैठा। आरोप है कि कर्मचारी ने अत्यंत अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, हम अपनी मर्जी से चार्ज वसूलते हैं, जहां शिकायत करना हो कर देना, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

बिना हस्ताक्षर की रिपोर्ट और नियमों की अनदेखी- पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर न तो उन्हें जमा राशि की रसीद दी गई और न ही रिपोर्ट पर डॉक्टर के हस्ताक्षर थे। डॉक्टर के साइन की जगह महज दो लाइनें खींचकर रिपोर्ट थमा दी गई। जब महिला ने सेंटर संचालन का अनुमति पत्र (PNDT लाइसेंस) दिखाने को कहा, तो संचालक डॉ. शुभम खटोड़ ने भी वहां पहुंचकर महिला के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें सेंटर से बाहर निकाल दिया।

पीड़िता की व्यथा- मैं अपने छोटे भाई के साथ वहां गई थी। डॉक्टर और स्टाफ के इस हिंसक व्यवहार से मैं इतनी घबरा गई कि घर पहुंचते ही मेरी तबीयत बिगड़ गई। एक गर्भवती महिला के साथ ऐसा व्यवहार मानसिक बलात्कार जैसा है।

प्रशासन तक पहुंची गूंज- पीड़िता ने ईमेल के माध्यम से मुख्यमंत्री, कलेक्टर, जिला चिकित्सा अधिकारी और मेडिकल ऑफिसर को शिकायत भेजकर सेंटर का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है।

अधिकारी का पक्ष- इस संवेदनशील मामले पर बड़नगर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुयश श्रीवास्तव ने कहा, गर्भवती महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। मामला गंभीर है, इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी और दोषियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बड़े सवाल- क्या बिना डॉक्टर की मौजूदगी में कर्मचारी सोनोग्राफी कर सकते हैं?

क्या सोनोग्राफी सेंटर संचालकों को मनमाना शुल्क वसूलने और मरीजों से अभद्रता करने की छूट है?

क्या जिला स्वास्थ्य विभाग ऐसे सेंटरों की नियमित जांच करता है?

अब देखना यह है कि प्रशासन इस सफेदपोश गुंडागर्दी पर क्या एक्शन लेता है ताकि भविष्य में किसी अन्य महिला को ऐसी प्रताड़ना न झेलनी पड़े।

देपालपुर सेन समाज के मुकेश जी परमार का निधन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर सेन समाज के लक्ष्मीनारायण परमार के भतीजे एवं सतीश परमार, ओमप्रकाश परमार, राजेंद्र परमार, विक्रम परमार, कमल परमार के छोटे भाई एवं शुभम परमार, अंकित भोला परमार के पूज्यनीय पिताजी स्वर्गीय मुकेश जी परमार देपालपुर वालो का हृदय गति रुकने से निधन हो गया,। जिनकी शोक सभा प्रतिदिन निज निवास लोहार पट्टी, देपालपुर पर रखी गई है.।

आत्म देखभाल चुनौती सप्ताह के अंतर्गत मानसिक शांति पर हुआ व्याख्यान का आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में प्राचार्य डॉ. जी. सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कार्य बल के अंतर्गत आत्म देखभाल चुनौती सप्ताह के अवसर पर मानसिक शांति विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ आदिश कुमार जैन ने अपने व्याख्यान में बताया कि आज के व्यस्त जीवन में मानसिक शांति बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, ध्यान एवं आत्म-देखभाल के विभिन्न उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में इन आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टॉफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एन टी एफ नोडल अधिकारी आकांक्षा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रेखा चंद्रपाल ने सभी अतिथियों, वक्ता एवं उपस्थित विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में किसानों को उर्वरकों का सुगमतापूर्वक एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ई-विकास (वितरण एवं कृषि आपूर्ति समाधान) प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ई-टोकन जनरेशन की प्रक्रिया से संबंधित जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार यह प्रशिक्षण 13 मार्च 2026 को दोपहर 02.00 बजे बलवाड़ी सब्जी मंडी, प्रेमनगर, सनावद रोड, खरगोन में आयोजित होगा। प्रशिक्षण में जिले के समस्त पटवारी, पंचायत सचिव, ग्राम सहायक पंचायत, कृषि विस्तार अधिकारी, पैक्स तथा विपणन संघ के डबल लॉक केंद्र प्रभारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

7 किलो अफीम तस्करी का काला खेल बेनकाब, आरोपी को 11 साल की सख्त कैद, 1.25 लाख जुर्माना भी ठोका

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अफीम तस्करी के एक बड़े मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाया है। जावद स्थित एनडीपीएस एक्ट की विशेष अदालत ने 7 किलोग्राम अवैध अफीम की तस्करी करने वाले आरोपी को 11 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख 25 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) जावद विनोद कुमार पाटीदार ने आरोपी लक्ष्मीनारायण पिता सालिगराम पाटीदार (48 वर्ष), निवासी डिकेन, थाना रतनगढ़ को धारा 8(सी)/18(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी करार दिया। मामले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) चित्तौड़गढ़ को 15 मई 2025 को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी मोटरसाइकिल से अफीम लेकर रतनगढ़ से डिकेन की ओर तस्करी करने वाला है। सूचना के आधार पर निवारक दल ने रतनगढ़-डिकेन रोड स्थित श्रीमद भागवत गौशाला बरेखन के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद आरोपी मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया, जो पुलिस दल को देखकर लौटने लगा। संदेह होने पर टीम ने घेरकर उसे रोका और तलाशी ली। मोटरसाइकिल की डिक्की से दो प्लास्टिक थैलियों में रखी कुल 7 किलो अवैध अफीम बरामद हुई। इसके बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। विचारण के दौरान सीबीएन के विशेष लोक अभियोजक सुशील ऐरन ने महत्वपूर्ण गवाहों के बयान पेश करते हुए तस्करी के अपराध को अदालत में संदेह से परे साबित किया। अदालत ने अभियोजन के तर्कों से सहमति जताते हुए आरोपी को 11 साल की सख्त कैद और 1.25 लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सुशील ऐरन ने की, जबकि अधिवक्ता दीपशिखा रावल और सलोनी पोरवाल ने भी प्रकरण के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

14 मार्च को सलसलाई में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

स्वर्गीय आशा देवी रानी साहिबा राघोगढ़ की पुण्यतिथि में होगा उक्त आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजा साहब की पत्नी स्वर्गीय श्रीमती आशा देवी रानी साहिबा राघौगढ़ की पुण्यतिथि स्मृति स्वरूप विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सलसलाई नगर में 14 मार्च को आयोजित होगा उक्त जानकारी देते हुए डॉक्टर राघवेंद्र प्रताप अजब सिंह पवार ने बताया कि यहां शिविर प्रतिवर्ष अनुसार रानी साहेब की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जाता है जहां इस वर्ष उक्त आयोजन 14 मार्च वार शनिवार सुबह 10 बजे से 4 बजे तक आयोजित होगा , शिविर में समस्त प्रकार की बीमारियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वच्छ रक्तदाना आयोजित होगा ! कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं विधायक राघौगढ़ श्री जयवर्धन सिंह उपस्थित होंगे जहां कार्यक्रम में सभी बीमारियों के इलाज के साथ निशुल्क दवाई का वितरण भी होगा ,समस्त बीमारियों को लेकर प्रचार प्रसार के माध्यम के साथ पहले रजिस्ट्रेशन भी मरीज से करवाया जा रहा है वही मौके पर भी अपना आधार कार्ड लेकर उपस्थित हो और रजिस्ट्रेशन होगा जहां तत्काल बीमारियों का इलाज होगा कानून व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस थाना सलसलाई में थाना प्रभारी जनक सिंह रावत को एक आवेदन भी सोपा गया है।

तलेन मार्ग से खेडावद मंगलाज मार्ग बुडलाय बेदार नगर खरसोदा जोड़ होकर सलसलाई पहुंचेंगे विधायक राजवर्धन सिंह बाबा साहब जिनका जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम में आयोजित किया गया है जहां उनके साथ पूर्व जनपद अध्यक्ष अजब सिंह की पावर भी साथ में रहेंगे।

घर-परिवार की खुशहाली के लिए महिलाओं ने की दशामाता की पूजा

पीपल की 108 परिक्रमा कर मांगी सुख-समृद्धि

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में आज श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ दशामाता का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सौभाग्यवती महिलाओं ने पीपल के पेड़ की पूजा-अर्चना की और परिवार की दशा सुधारने व सुख-शांति की कामना की।

108 सूत के धागों से बांधी खुशहाली की डोर- सुबह से ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित पीपल के पेड़ों के नीचे महिलाओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने पीपल के वृक्ष का विधि-विधान से पूजन किया। पूजा के दौरान महिलाओं ने पीपल के तने पर 108 बार सूत का धागा लपेटकर परिक्रमा की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास माना जाता है, इसलिए इसकी पूजा से घर की दरिद्रता दूर होती है और

आर्थिक स्थिति (दशा) में सुधार होता है।

सुना गया दशामाता का पावन किस्सा- पूजन के बाद महिलाओं ने एक स्थान पर बैठकर दशामाता की कथा सुनी। कथा के माध्यम से राजा नल और रानी दमयंती के जीवन के प्रसंगों को याद किया गया, जिसमें दशामाता की कृपा से बिगड़ी हुई परिस्थितियाँ पुनः ठीक हो गई थीं। महिलाओं ने गले में दशामाता का डोरा (पवित्र धागा) धारण किया, जिसमें दस गांठे लगाई गई थीं।

घर की दशा सुधारने की प्रार्थना - पूजा में सम्मिलित महिलाओं ने बताया कि यह व्रत विशेष रूप से घर की सुख-समृद्धि और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य के लिए रखा जाता है। महिलाओं ने पीपल देव से प्रार्थना की कि, हे माता! हमारे घर-परिवार की दशा हमेशा सुधरी रहे और सभी संकट दूर हों।

पूजन के बाद महिलाओं ने अपने घरों की साफ-सफाई कर मुख्य द्वार पर कुमकुम और हल्दी के स्वास्तिक भी बनाए। दिनभर नगर में भक्ति और उत्सव का माहौल बना रहा।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशन में जिले के समस्त विकासखंडों में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आमजन में जागरूकता बढ़ रही है तथा टीकाकरण अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। एचपीवी वायरस महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। भारत में महिलाओं में होने वाले कैंसरों में यह दूसरा सबसे आम कैंसर है। विशेषज्ञों के अनुसार एचपीवी वैक्सीनेशन इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है, जो भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के जोखिम को लगभग 90 प्रतिशत तक कम कर देता है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को यह टीका लगाया जाना है। इस आयु में टीकाकरण करने पर शरीर में प्रभावी एंटीबॉडी विकसित होती हैं, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करती हैं। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार किशोर अवस्था में दिया गया टीका सर्वश्रेष्ठ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया देता है।

प्रशासन द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी पात्र बालिकाओं का अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराएं। कैंसर होने के बाद उपचार की तुलना में पहले ही शरीर को सुरक्षित करना अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय है।

वर्ष 2026-27 के लिए झाबुआ जिले की मदिरा दुकानों के समूहों का तृतीय चरण में ई-टेंडर जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये शासन द्वारा घोषित आबकारी नीति के अनुसार झाबुआ जिले में प्रथम चरण (बैंच 1, बैंच 2, एवं बैंच 3) एवं द्वितीय चरण में शेष रहे 08 समूहों में शामिल 29 मदिरा दुकान का निष्पादन नहीं होने से तृतीय चरण हेतु पुर्नगठन कर 06 समूह कमशः मदरानी समूह झाबुआ-2, झाबुआ समूह झाबुआ-3, कल्याणपुरा समूह झाबुआ-4, मेघनगर समूह झाबुआ-5, थांदला समूह झाबुआ-6, पेटलावद समूह झाबुआ-7, को वर्ष 2025-26 के वार्षिक मूल्य में 20 प्रतिशत वृद्धि कर वर्ष 2026-27 के लिए आरक्षित मूल्य पर ऑन लाईन ई-टेण्डर (ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन) के माध्यम से निष्पादन किया जाना है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त, शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रहा है। वर्तमान में भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण आयात में आई बाधाओं को देखते हुए शासन द्वारा व्यवसायिक गैस सिलेंडरों के उपयोग पर अस्थायी रूप से रोक लगाई गई है। इसी के मद्देनज़र घरेलू गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति और वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार, 13 मार्च 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ श्री महेश कुमार मण्डलोई की अध्यक्षता में झाबुआ के होटल संचालकों एवं व्यापारिक संघ के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए सभी व्यापारियों एवं होटल संचालकों को घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग न करने तथा अधिक मात्रा में सिलेंडर का भंडारण न करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि होटल एवं अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान अपने कार्य संचालन के लिए वैकल्पिक साधनों जैसे डीजल भट्टी, इंडक्शन चूल्हा, कोयला भट्टी आदि का उपयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन द्वारा यह भी बताया गया कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण न करें।

व्यावसायिक गैस संकट से होटल व्यवसाय और रोजगार पर संकट

आम जनता पर दोहरी मार- 45 दिन का नियम और बढ़ती कीमतें

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वैश्विक राजनीति और युद्ध की आग का सीधा असर अब बदनावर की रसोई और स्थानीय व्यवसायों पर दिखने लगा है। ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न हुई अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और सरकार द्वारा व्यावसायिक गैस की आपूर्ति पर लगाई गई बंदिशों ने चौतरफा संकट खड़ा कर दिया है। जहाँ एक ओर होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं, वहीं आम आदमी भी घरेलू सिलेंडर के नए नियमों से त्रस्त है।

ईरान में जारी युद्ध के कारण गैस की वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। जब तक यह युद्ध नहीं रुकता, तब तक ईंधन की कमी का सामना करना ही पड़ेगा। सरकार ने घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए व्यावसायिक उपयोग पर कई तरह की रोक लगा दी है, जिससे बाजार में व्यावसायिक सिलेंडरों का अकाल पड़ गया है।

होटल व्यवसाय और रोजगार पर संकट - स्थानीय होटल संचालकों का कहना है कि व्यावसायिक गैस न मिलने के कारण लागत निकालना नामुमकिन हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि यदि हालात जल्द नहीं सुधरे, तो बदनावर के कई होटल और रेस्टोरेंट बंद हो सकते हैं। इससे इस क्षेत्र से जुड़े हजारों कामगारों के सामने बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। कई संचालकों ने तो अभी से ही अपने स्टाफ की छंटनी शुरू कर दी है।

आम जनता पर दोहरी मार, 45 दिन का नियम और बढ़ती कीमतें- गैस संकट का असर अब सीधा आम जनता की जेब और रसोई पर पड़ रहा है। घरेलू गैस सिलेंडरों के दामों में हुई भारी वृद्धि ने पहले ही बजट बिगाड़ रखा था, ऊपर से अब 45 दिन में केवल एक सिलेंडर मिलने के नए नियम ने आम आदमी को मजबूर कर दिया है। मध्यम वर्गीय परिवारों का कहना है कि एक सिलेंडर 45 दिन तक चलाना असंभव है। समय सीमा की इस पाबंदी के कारण लोग ब्लैक में सिलेंडर खरीदने को मजबूर हो रहे हैं।

प्रशासन से राहत की उम्मीद - व्यापारियों और आम नागरिकों ने सरकार से मांग की है कि इस संकट के दौर में नियमों में ढील दी जाए और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति बहाल नहीं होती, तब तक स्थानीय अर्थव्यवस्था और आम जनता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

विधायक मारू ने किया बनी-बरखेड़ा सड़क निर्माण का भूमिपूजन, 3.76 करोड़ से बनेगा 2.90 किमी मार्ग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार को ग्राम बनी में बनी से बरखेड़ा मार्ग के सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक अनिरुद्ध माधव मारू द्वारा किया गया। करीब 2.90 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण 3 करोड़ 76 लाख 91 हजार रुपए की लागत से किया जाएगा। सड़क निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा गांवों के बीच संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा।

इस अवसर पर विधायक मारू ने कहा कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क बनने से किसानों, विद्यार्थियों और आमजन को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। ग्रामीणों ने भी सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री नरेन्द्र मालवीय, भाजपा कुशाभाऊ ठाकरे मंडल अध्यक्ष विजय शर्मा, दीनदयाल मंडल अध्यक्ष कैलाश पुरोहित, जिला पंचायत सदस्य धापूबाई-श्यामलाल वसीटा, जनपद पंचायत सदस्य कैलाशबाई-अमरसिंह रावत, ग्राम पंचायत बनी के सरपंच विजय पाटीदार, युवा मोर्चा जिला महामंत्री रवि पाटीदार, पार्षद प्रतिनिधि दिनेश राठौर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदि-वीर जन्म कल्याणक पर धार्मिक भक्तिभाव के साथ जिनशासन की प्रभावना होगी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक चैत्र कृष्ण नवमी (12 मार्च, गुरुवार) के पावन अवसर पर स्थानीय दिगम्बर जैन मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज, बदनावर द्वारा श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रातः मंदिर में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं नियमित पूजन विधिविधान से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया। समाजजनों ने इस अवसर पर सामूहिक संकल्प लिया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आदि-वीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक

दिवस से लेकर चैत्र शुक्ल तेरस को होने वाले भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक तक प्रतिदिन सायंकाल समाज के विभिन्न परिवारों के निवास पर क्रमशः एक घंटे का भक्तामर स्तोत्र पाठ, स्तवन एवं धर्म आराधना का आयोजन किया जाएगा।

इस धार्मिक श्रृंखला में समाज के सभी सदस्य संबंधित परिवार के घर एकत्रित होकर भक्तिभाव से आराधना करेंगे तथा जिनशासन की प्रभावना करेंगे। समाज की ओर से जानकारी देते हुए शालिनी पाटोदी ने बताया कि इस क्रम का प्रथम दिवस का आयोजन रितेश एवं संध्या मोदी के निवास पर समाजजनों की उपस्थिति में भक्तिभावपूर्वक संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन आगामी 19 दिनों तक निरंतर समाज के विभिन्न परिवारों के निवास पर आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन से समाज में धार्मिक उत्साह, आध्यात्मिक वातावरण एवं सामूहिक भक्ति भाव का सुंदर संचार हो रहा है और सभी समाजजन बढ़-चढ़कर इसमें भाग ले रहे हैं।

अध्यक्ष पद रिक्त होने से नगर परिषद सुसनेर के कार्य प्रभावित

नगर परिषद में नामांतरण सहित कई प्रकरण लंबित

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर में अध्यक्ष पद रिक्त होने के कारण परिषद के कई जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। परिषद की बैठक लंबे समय से नहीं होने के कारण नामांतरण सहित अन्य प्रशासनिक प्रकरण लंबित पड़े हुए हैं, जिससे नगरवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों को अपने जरूरी कार्यों के लिए बार-बार परिषद कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन बैठक नहीं होने के कारण मामलों का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद में वर्तमान में लगभग 40 के आसपास नामांतरण के प्रकरण लंबित हैं। इन प्रकरणों पर निर्णय परिषद की बैठक में ही लिया जाता है, लेकिन कई महीनों से बैठक आयोजित नहीं होने के कारण इन मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। इससे संबंधित परिवारों को संपत्ति के दस्तावेजी कार्यों में भी दिक्कतें आ रही हैं।

सुसनेर निवासी महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य बजरंग पिता राधेश्याम शर्मा के नामांतरण के लिए नगर परिषद में आवेदन किया गया था। परिषद द्वारा 16 फरवरी 2026 को नामांतरण के लिए 2250 रुपये की रसीद भी जारी कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद अब तक नामांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि परिषद की बैठक नहीं होने के कारण उनका ही नहीं बल्कि अन्य कई लोगों का कार्य भी अटका हुआ है।

सूत्रों के अनुसार नगर परिषद सुसनेर की अंतिम बैठक 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद से अब तक परिषद की बैठक आयोजित नहीं हो पाई है। परिषद की बैठक में ही नामांतरण, निर्माण अनुमति, कर संबंधी प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाता है। बैठक नहीं होने से कई प्रस्ताव लंबित पड़े हुए हैं और आम नागरिकों के कार्यों पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी राहुल सिसोदिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका इस्तीफा 19 फरवरी 2026 को नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल द्वारा स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद से नगर परिषद सुसनेर में अध्यक्ष का पद रिक्त घोषित है। अध्यक्ष पद रिक्त होने के कारण परिषद की बैठक बुलाने और कई प्रशासनिक निर्णयों में देरी हो रही है।

नगरवासियों का कहना है कि परिषद में जल्द बैठक आयोजित कर लंबित नामांतरण सहित अन्य आवश्यक प्रकरणों का निराकरण किया जाना चाहिए। लोगों का कहना है कि यदि समय पर बैठक हो जाए तो कई महीनों से अटके कार्य पूरे हो सकते हैं और नागरिकों को राहत मिल सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर परिषद की बैठक शीघ्र आयोजित कर नागरिकों के लंबित कार्यों का निराकरण कराया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इनका कहना- मेरे द्वारा शासन को अवगत करा दिया गया है,मामला शासन स्तर से लंबित है।

-ओपी नागर,
सीएमओ नगर परिषद सुसनेर

जिले में घरेलू गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता, आम उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं - कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में घरेलू रसोई गैस सहित ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता है और आम उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में जिले में घरेलू गैस एवं ईंधन की निर्बाध आपूर्ति हेतु जिले के घरेलू गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों,पेट्रोल पंप संचालकों एवं केटरिंग असोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसीएल एजेंसियों के प्रतिनिधि वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडर एवं ईंधन वितरण की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होने घरेलू गैस वितरक कंपनियों के प्रतिनिधियों को बफर स्टॉक रखने एवं प्रतिदिन मूल्यांकन कर माँग और वितरण की व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के निर्देश भी दिए। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री भरत सिंह जमरे द्वारा बताया गया कि सभी गैस एजेंसी संचालक पंजीकृत उपभोक्ताओं को उनके द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप ही रिफिल प्रदाय करेंगे। रिफ़िल बुकिंग की वरीयता अनुसार ही सिलेंडर का प्रदाय सुनिश्चित किया जाए अर्थात दिनांक एक से पांच तक की बुकिंग में सर्वप्रथम एक तारीख वाले हितग्राही को पश्चात् दो तारीख वालों को इसी तरह वरीयता सुनिश्चित की जाये। गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने हेतु मांग समय पर कंपनी को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही डिलिवरी बॉय की मॉनिटरिंग की जाए ताकि पात्र हितग्राहियों को ही सिलेंडर रेफिल की सुविधा प्राप्त हो सके। ऑयल कंपनियों द्वारा शहरी क्षेत्रो में सिलेंडर की अगली बुकिंग का अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह समय सीमा 45 दिन निर्धारित की गई है। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित है। इसलिए होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को अस्थायी रूप से डीजल भट्टी, इंडक्शन, इंफ्रारेड इलेक्ट्रिक कॉइल जैसे वैकल्पिक साधनों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने गैस एजेंसियों को निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं को समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए और किसी प्रकार की कालाबाजारी नहीं होने दी जाए। यदि होटल या अन्य व्यवसायों को घरेलू सिलेंडर दिए जाने की शिकायत मिलती है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने किया ट्रेंचिंग ग्राउण्ड का निरीक्षण, देखी प्लांट की व्यवस्था

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम का गीले एवं सुखे कचरे का निष्पादन कार्य बायपास स्थित ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर होता है। ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर शहर के सभी वार्डो से कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से गीला एवं सुखा कचरा निष्पादन कार्य के लिए डाला जाता है। जिसमें कुछ वाहनों में गीला एवं सुखा कचरा एकत्रित होकर एक साथ मिलकर आने की सूचना पर आयुक्त दलीप कुमार ने सभी स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को सख्त चेतावनी देते हुए ट्रेंचिंग ग्राउण्ड का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर गीला कचरा एवं सुखा कचरा प्रथक्कीकरण तथा सीएनडी वेस्ट प्लांट को देखा। आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउण्ड स्थित एमआरएफ के प्रबंधक श्री कोचालय को सुखे कचरे का निपटान सही तरीके से करने हेतु निर्देशित किया तथा ट्रेंचिंग ग्राउण्ड पर दुर्घटना में मृत पशुओं को ससम्मान कम्पोस्ट पिट समाधि में निराकृत करने के कार्य को देखा। जो सही पाया गया। आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउण्ड स्थित गार्डन को पूर्ण रूप से मेन्टेन करने के निर्देश दिये।

लोक अदालत आज बकाया कर जमा कर छूट का लाभ लें, शहर विकास में सहभागी बनें- महापौर गीता अग्रवाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के अवसर पर नगर निगम देवास द्वारा संपत्ति कर एवं जलकर के बकायादारों को बकाया राशि जमा करने पर नियमानुसार विशेष छूट प्रदान की जा रही है। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने शहर के नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने बकाया कर जमा करें और शहर के विकास में भागीदारी निभाएं। नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए निगम कार्यालय के साथ-साथ झोन कार्यालयों इटावा बस स्टैंड, जवाहर चौक तथा न्यायालय परिसर में विशेष शिविर लगाए गए हैं। न्यायालय परिसर में कर जमा करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा, जबकि नगर निगम कार्यालय में सुबह 9 बजे से कार्य समाप्ति तक कर जमा किए जा सकेंगे। निगम कार्यालय में आने वाले नागरिकों के लिए बैठने और पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई है। यदि लोक अदालत में बकाया संपत्ति कर जमा नहीं किया जाता है तो नए वित्तीय वर्ष अप्रैल 2026 से शासन नियमानुसार संपत्ति कर की राशि दोगुनी हो जाएगी। इसलिए नागरिकों के पास आज एक अच्छा अवसर है कि वे अपने बकाया कर जमा कर राहत प्राप्त करें।

एचपीवी टीकाकरण को लेकर आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री मिलिंद कुमार नागदेवे द्वारा महेश्वर में एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने एचपीवी टीकाकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए पात्र बालिकाओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री नागदेवे ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है और इसके माध्यम से भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

रतनगढ़ में तबाही की 'चिंगारी': तीन बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, क्या अब जागेगा बिजली विभाग?

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ जब एक किसान अपने खेत में पसीना बहाता है, तो वह केवल बीज नहीं बोता, बल्कि अपने परिवार के सुनहरे भविष्य के सपने बोता है। लेकिन नीमच जिले के रतनगढ़ क्षेत्र के माधुपुरा हल्का नम्बर 33 खेत मोड़ी राम पिता वरदाजी धोबी का जिसको आसाराम हिस्सेदारी पर बुवाई करता था पर किसान आसाराम के लिए का सूरज काल बनकर उगा दोपहर की तपती धूप में जब फसल कटाई की तैयारी चल रही थी, तभी एक भयावह आग ने खुशियों को मातम में बदल दिया। देखते ही देखते करीब तीन बीघा क्षेत्र में लहलहाती गेहूं की फसल खाक हो गई। इस घटना ने एक बार फिर बिजली विभाग की उस कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं, जिसकी अनदेखी की कीमत आज अन्नदाता को अपनी पूरी जमापूंजी देकर चुकानी पड़ी है।

दोपहर का वो मंजर- जब लपटों ने निगल लिया खेत शुक्रवार की दोपहर के समय था। रतनगढ़ से करीब 1 से 2 किलो मीटर गांव माधुपुरा के बीच आसाराम राठौर के खेत में सब कुछ सामान्य था। अचानक हवा के एक झोंके के साथ बिजली के तारों में जोरदार शॉर्ट सर्किट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तारों से निकली चिंगारी सीधे सूखे गेहूं के पौधों पर गिरी।

आस-पास के किसान जब तक अपने खेत की ओर दौड़ते और आग बुझाने का प्रयास करते, तब तक तेज पछुआ हवाओं ने आग की लपटों को सौ मीटर ऊँचा उठा दिया। धुएं का काला गुबार मील दूर से देखा जा सकता था। बदहवास किसान अपनी आंखों के सामने अपनी साल भर की मेहनत को राख होते देख चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन कुदरत और सिस्टम की मार के आगे वे बेबस थे।

बिजली विभाग की अनदेखी- इस पूरी त्रासदी के केंद्र में बिजली विभाग की घोर लापरवाही निकलकर सामने आ रही है। पीड़ित किसानो ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि उनके खेत के ऊपर से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनें काफी समय से ढीली होकर नीचे लटक रही थीं। किसानों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायतें दी थीं कि ये झूलते तार किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। लेकिन अधिकारियों ने इन शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। आज उसी लापरवाही का परिणाम है कि किसानों का हरा-भरा खेत आज श्मशान जैसी राख का ढेर बन चुका है।किसानों का सीधा आरोप है कि यदि विभाग समय रहते तारों को कस देता या जर्जर लाइनों को बदल देता, तो आज यह बर्बादी नहीं होती।

प्रशासन की दौड़-भाग और दमकल की मशक्कत आग लगने की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना के करीब आधे घंटे बाद दमकल विभाग की गाड़ि मौके पर पहुंचीं। तब तक आग एक खेत से दूसरे में फैलती जा रही थी। दमकलकर्मियों ने काफी जोखिम उठाकर आग को चारों तरफ से घेरने की कोशिश की।कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक लगभग तीन बीघा की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।घटना की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार, पटवारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि नेता पिंकेश मंणडोरा केशव चारण पहुंचे और किसान को सानतना देते हुए बताया की चिंता करने की कोई बात नहीं उन्होंने नुकसान का जायजा लिया और किसानों को उचित मुआवजे का आश्वासन दिया। हालांकि, किसान इस बात से डरे हुए हैं कि मुआवजे की प्रक्रिया इतनी जटिल न हो जाए कि उन्हें राहत मिलने में महीनों लग जाएं।

आर्थिक चोट और अनिश्चित भविष्यएक बीघा गेहूं तैयार करने में किसान की हजारों रुपए की लागत आती है। गेहूं की फसल का मतलब है लाखों रुपए का सीधा नुकसान। कई किसानों ने इस फसल के भरोसे कर्ज ले रखा था, तो किसी को बेटी की शादी करनी थी। अब उनके पास अपने खेत की मिट्टी के सिवा कुछ नहीं बचा है।

यह घटना केवल एक हादसा नहीं है, बल्कि सिस्टम की उस सुस्ती का परिणाम है जो अक्सर गरीब की जान और माल पर भारी पड़ती है। नीमच जिले इन किसानों का दर्द आज पूरे प्रदेश के अन्नदाता का दर्द बन गया है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन केवल पंचनामा बनाकर कागजी औपचारिकता पूरी करता है या वास्तव में इन पीड़ित परिवारों को उनके उजड़े हुए खेत का हक दिलवा पाता है।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर का हुआ आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका परिषद बड़वानी द्वारा शासन के निर्देशानुसार संचालित संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20, 21, 22 एवं 24 के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु चुना भट्टी मोहल्ला क्षेत्र में शुक्रवार को समाधान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं एवं आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर संबल योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

रामपुरा में खाद्य औषधि प्रशासन टीम की कार्रवाई, 6 फार्मो पर किया आकस्मिक निरीक्षण एवं जांच के लिए 20 नमूने

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश के निर्देशानुसार, अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधी प्रशासन नीमच डॉ.दिनेश प्रसाद के मार्गदर्शन में खाद्य एवं प्रशासन नीमच की टीम द्वारा रामपुरा में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों के खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आकस्मिक निरीक्षण किए गए एवं निरीक्षण उपरांत जांच के नमूने लिए गए एवं उक्त अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किए गए। विवरण इस प्रकार है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजू सोलंकी ने बताया, कि फर्म लक्की भोजनालय बुरहानी हॉस्पिटल के पास रामपुरा जिला नीमच का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारीत खाद्य पदार्थ आटा एवं तुवर दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं मौके पर मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र, स्वस्थ्य ट्रेनिंग प्रमाण पत्र एवं खाद्य पंजीयन प्रदर्शित नहीं होने पर उक्त अधिनियम की धारा 32 का नोटिस जारी किया गया।

फर्म दुआ किराना बस स्टैंड रामपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारित खाद्य पदार्थ पोहा एवं मैदा के नमूने जांच हेतु लिए गए। फर्म मानकचंद - नाथूलाल धान मंडी रामपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर विक्रय हेतु भंडारीत खाद्य पदार्थ बेसन, मसूर दाल, मसूर दाल, तुवर दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए। फर्म शैलेंद्र किराना स्टोर लालबाग रामपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर विक्रय हेतु भंडारीत खाद्य पदार्थ बासमती राइस, मसूर दाल,उड़द दाल एवं मूंग दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित नहीं पाए जाने और कार्यरत कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रस्तुत नहीं करने एवं अन्य कमियां पाए पर उक्त अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

फर्म प्रियंका भोजनालय आईटीआई कॉलेज के पास रामपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रय हेतु भंडारीत खाद्य पदार्थ बासमती चावल, आटा, बेसन , तुवर दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं मौके पर खाद्य पंजीयन प्रदर्शित नहीं होने कार्यरत कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रस्तुत नहीं करने एवं स्वस्थ्य ट्रेनिंग प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने एवं अन्य कमियां पाए जाने पर धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। फर्म मानसरोवर फैमिली रेस्टोरेंट मनासा रोड रामपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके पर विक्रेता भंडारित खाद्य पदार्थ दही, सोयाबीन तेल, पनीर, सेव नमकीन के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं मौके पर खाद्य पंजीयन प्रदर्शित नहीं होने कार्यरत कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रस्तुत नहीं करने एवं स्वस्थ्य ट्रेनिंग प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने एवं अन्य कमियां पाए जाने पर धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

समस्त खाद्य कार्यकर्ताओं को मौके पर साफ, सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के निर्माण के निर्देश दिए गए। उक्त लिए गए समस्त नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ईदगाह हिल्स भोपाल भेजे गए हैं, जांच रिपोर्ट प्राप्त करने के उपरांत विधियां अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

उक्त कार्यवाही खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजू सोलंकी एवं श्री यशवंत कुमार शर्मा द्वारा की गई।

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री निर्मला भूरिया

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, मेघनगर बनी विजेता

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत नवाचार के रूप में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन राजगढ़ नाका स्थित मैदान में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल भावना को बढ़ावा देना, युवाओं को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाना तथा पारंपरिक खेल कबड्डी को पुनः लोकप्रिय बनाना है।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। फाइनल मैच से पूर्व मंत्री सुश्री भूरिया ने मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह मैदान आज खेलकूद प्रतियोगिताओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जहां खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है और इसी क्रम में आज जिले में कबड्डी प्रतियोगिता का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये खिलाड़ियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त और सक्षम बनाते हैं। इन्हीं खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा निरंतर प्रयास और निर्णय लिए जा रहे हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर अन्य युवा भी खेलों के प्रति प्रेरित होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमें उम्मीद है कि जिले की प्रतिभाएं आगे निकलकर आएंगी और राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार और प्रशासन सदैव तत्पर हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं जनपद पंचायतों से खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। इस आयोजन से ग्रामीण युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। साथ ही यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक सहभागिता और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध होगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व झाबुआ जिले की सभी छह जनपद पंचायतों में कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर प्रदान किया गया।

डाइट नीमच में कक्षा 5 व 8 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का समापन, श्रेष्ठ मूल्यांकनकर्ताओं का हुआ सम्मान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) नीमच के सभागार में कक्षा 5 एवं कक्षा 8 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह मूल्यांकन कार्य 6 मार्च से 12 मार्च तक संचालित किया गया। हालांकि कार्यक्रम की अंतिम तिथि 14 मार्च निर्धारित थी, लेकिन सभी मूल्यांकनकर्ताओं के उत्कृष्ट सहयोग, अनुशासन और कार्यनिष्ठा के कारण निर्धारित समय से पहले ही सभी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया। पूरा कार्य सुव्यवस्थित, आनंदपूर्ण और तनावमुक्त वातावरण में संपन्न हुआ।

मूल्यांकन कार्यक्रम के समापन अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुजानमल मांगरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई, जिससे पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल बन गया। इसके बाद दिग्विजय पालीवाल ने प्रेरणादायी सामूहिक गीत प्रस्तुत कर सभी को उत्साहित किया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना कार्यक्रम संचालक पंकज गुर्जर ने प्रस्तुत की। उन्होंने मूल्यांकन कार्य की रूपरेखा बताते हुए सभी मूल्यांकनकर्ताओं के सहयोग की सराहना की। इसके पश्चात संस्थान के प्राचार्य निर्मल राठौर ने अतिथियों एवं उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुए अध्यक्षीय उद्बोधन दिया और मूल्यांकन कार्य को शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

इस अवसर पर मूल्यांकन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दस विषयों के श्रेष्ठ मूल्यांकनकर्ताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक विषय के विषय प्रभारी को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने मूल्यांकन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान बनाए गए कंट्रोल रूम में उत्तर पुस्तिकाओं के वितरण, प्राप्ति, सुरक्षित संधारण और पैकेजिंग जैसे कार्य अत्यंत व्यवस्थित तरीके से संपन्न किए गए। इस उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम के प्रभारीगणों को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा मूल्यांकन व्यवस्था को सफल बनाने में योगदान देने वाले संचालन समूह का भी अभिनंदन किया गया।

संस्थान के कार्यों में निरंतर समर्पण और उल्लेखनीय योगदान देने वाले सात कर्मचारियों को भी इस अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सुजानमल मांगरिया ने अपने मार्गदर्शनपूर्ण उद्बोधन में पिछले वर्ष के परीक्षा परिणामों का उल्लेख करते हुए इस वर्ष बेहतर शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन से ही विद्यार्थियों के भविष्य की सही दिशा तय होती है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रिचा जायसवाल ने सभी अतिथियों, मूल्यांकनकर्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आज से शुरू होगा मलमास, एक माह तक नहीं होंगे विवाह- मांगलिक कार्य

मीन राशि में सूर्य के प्रवेश से बनेगा मलमास, 14 अप्रैल सुबह 9:30 बजे तक शुभ कार्यों पर रहेगी रोक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार आज 14 मार्च की मध्यरात्रि से मलमास की शुरुआत हो जाएगी। सूर्य के कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करते ही यह अवधि प्रारंभ होगी। मलमास के चलते लगभग एक महीने तक विवाह, यज्ञोपवित, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे सभी मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। यह अवधि आज 14 अप्रैल की सुबह 9:30 बजे तक प्रभाव में रहेगी।

ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक इस समय को धार्मिक साधना, पूजा-पाठ और देव आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु भागवत कथा, जप-तप, दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठानों में अधिक रुचि लेते हैं।

मीन संक्रांति से बनेगी मलमास की स्थिति- ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार 14 मार्च की रात 11:59 बजे सूर्य कुंभ राशि को छोड़कर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस राशि परिवर्तन को मीन संक्रांति कहा जाता है। सूर्य लगभग एक माह तक मीन राशि में रहेंगे और इसी अवधि को मलमास कहा जाता है।

धर्मशास्त्रों में इस समय को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना गया है। इसलिए इस दौरान विवाह, यज्ञोपवित, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे कार्य नहीं किए जाते, जबकि पूजा-पाठ और धार्मिक साधना को विशेष फलदायी माना जाता है।

ग्रहों की युति से बनेगी त्रिग्रही स्थिति- सूर्य के मीन राशि में प्रवेश के समय शुक्र और शनि पहले से ही इस राशि में मौजूद रहेंगे। इससे कुछ समय के लिए त्रिग्रही युति बनेगी। इसके बाद कुछ दिनों तक सूर्य और शनि की युति भी प्रभाव में रहेगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस ग्रह स्थिति का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है।

मलमास में ही मनाई जाएगी चैत्र नवरात्रि- मलमास की इसी अवधि में इस बार चैत्र नवरात्रि का पर्व भी मनाया जाएगा। 19 मार्च से 27 मार्च तक नौ दिनों तक देवी दुर्गा की आराधना की जाएगी। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

इस तरह इस बार मलमास के दौरान ही नवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व का भी संयोग बन रहा है, जिससे मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना का माहौल रहेगा।

पत्रकार साथी उज्जैन शहर के विकास में सहभागी बनें - श्रीमती यादव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन की मीडिया का सकारात्मक सहयोग हमेशा मिलता है। सिंहस्थ के जो कार्य हो रहे हैं उनमें पत्रकार साथी अहम भूमिका निभायें। यह उद्गार अतिथियों ने शुक्रवार को सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह के अवसर पर व्यक्त किए।

सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सिंहस्थ की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रेस से सहयोग मांगा। दशहरा मैदान स्थित एक निजी गार्डन में हुए आयोजन में 150 से अधिक पत्रकारों ने हिस्सेदारी की।

कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि जिस तरह से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंहस्थ को ऐतिहासिक सफलता देने के लिए प्रयास कर रहे हैं वैसे ही उज्जैन प्रेस भी हर बार की तरह इस महाकुंभ को सफल बनाने के लिए अभी से हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के विकास के लिए आप लोगों को कोई भी कमी दिखती हो तो हमें बताएं उसे पूरा किया जाएगा।

श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में मुझे कर्तव्यों का भान है और मैं हर पत्रकार साथी से मिलने वाले सुझाव को मार्गदर्शन के रूप में लेता हूं। आगे भी आप जब-जब बुलाएंगे हम उपस्थित होंगे। पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने कहा कि उज्जैन की प्रेस का पूरे प्रदेश में सबसे अलग स्थान है। यहां के पत्रकार जिद करके शहर के लिए उपलब्धियां हासिल करते हैं और सिंहस्थ में भी वह पूरा समर्थन देंगे।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि उज्जैन का मीडिया हमें सदैव सकारात्मक सहयोग देता रहा है। नगर के पत्रकार शहर की गरिमा को ध्यान में रखते हुए जिस तरह से समस्याओं को बताते हैं उससे हमें समाधान की दिशा में सहयोग मिलता है। आपने विस्तार से वर्तमान में सिहंस्थ के निर्माण कार्यों की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने कहा कि उज्जैन की मीडिया वाइब्रेंट मीडिया है। अपने शहर के लिए जो जिद यहां के पत्रकारों में है वह मुझे अपना काम और गंभीरता से करने के लिए प्रेरित करती है।

सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने किया दशामाता का पूजन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के लिए महिलाओं ने शुक्रवार को दशा माता का व्रत रखा। सुबह से सज-धजकर महिलाओं ने पीपल के वृक्षों का पूजन किया और कच्चा सूत बांधकर परिक्रमा लगाई। इसके बाद उन्होंने दशा माता की कथा भी सुनी।

दशा माता व्रत होली के बाद आने वाले प्रमुख व्रतों में से एक है। जिसे विशेष रूप से महिलाएं अपने परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना से रखती हैं। शुक्रवार को चैत्र कृष्ण पक्ष की दशमी पर महिलाएं सुबह से ही हाथों में पूजन की थाली लेकर पूजा करने के लिए निकलीं। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा का विशेष महत्व है इसलिए महिलाओं ने कच्चे सूत के 10 तार के डोरे में 10 गांठ लगाई और पीपल के वृक्ष पर लपेटकर इसकी पूजा की और फिर कथा सुनी। इस दौरान मंदिरों में जमकर भीड़ रही। पूजन के बाद वह डोरा महिलाओं ने गले में पहना। धर्मग्रंथों के अनुसार दशा माता देवी पार्वती का ही एक रूप हैं। कहते हैं जो महिलाएं सच्चे मन से पूजा करती हैं उनके घर की दशा यानी स्थिति सुधर जाती है।

उज्जैन में प्रॉपर्टी की कीमतों में बड़ी उछाल की तैयारी, 1 अप्रैल से नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू

25 से अधिक लोकेशन पर 100 से 150% तक दरें बढ़ाने का प्रस्ताव, मार्च में रजिस्ट्री कराने वालों को मिलेगी राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए आने वाला समय महंगा साबित हो सकता है। जिला प्रशासन द्वारा एक अप्रैल 2026 से नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू करने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तावित गाइडलाइन के अनुसार शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर जमीन और संपत्तियों की दरों में 100 से 150 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया है। यदि यह प्रस्ताव स्वीकृत हो जाता है तो नए वित्तीय वर्ष से प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त काफी महंगी हो जाएगी।

जिला पंजीयक कार्यालय द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की करीब 25 से अधिक लोकेशन चिन्हित की गई हैं, जहां गाइडलाइन दरों में उल्लेखनीय वृद्धि प्रस्तावित है। इस संबंध में उप जिला मूल्यांकन समिति की बैठक पहले ही आयोजित की जा चुकी है, जिसमें प्रस्तावित दरों पर सहमति बन गई है। अब इन प्रस्तावों को अंतिम निर्णय के लिए जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में रखा जाएगा।

ग्रामीण और हाईवे क्षेत्रों में भी बढ़ेंगी दरें- अधिकारियों के अनुसार इस बार केवल शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की गाइडलाइन दरों में भी संशोधन किया जा रहा है। खासतौर पर हाईवे से जुड़े गांवों और विकसित हो रहे इलाकों की जमीनों की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इसके साथ ही शहर के प्लानिंग एरिया का दायरा भी बढ़ाया गया है। चिंतामण और मांगरोला क्षेत्र को प्लानिंग एरिया में शामिल किया गया है, जहां नए आवासीय प्रोजेक्ट प्रस्तावित हैं और कई जगह निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है।

मार्च में रजिस्ट्री कराने पर पुरानी दरों का लाभ- जिला पंजीयक कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति मार्च माह में अपनी संपत्ति का पंजीयन करवा लेता है तो उसे वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन दरों का ही लाभ मिलेगा। यानी नई दरें लागू होने से पहले रजिस्ट्री कराने पर लोगों को अतिरिक्त खर्च से बचने का मौका मिलेगा।

विकास योजनाओं को देखते हुए प्रस्ताव- उज्जैन की वरिष्ठ पंजीयक ऋचांभरा द्विवेदी के अनुसार शहर में तेजी से हो रहे विकास कार्यों, नए सड़क मार्गों, औद्योगिक गतिविधियों और प्रस्तावित एयरपोर्ट जैसी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए गाइडलाइन दरों में संशोधन किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के कारण कई क्षेत्रों में जमीन की बाजार कीमतें पहले ही काफी बढ़ चुकी हैं, इसलिए गाइडलाइन दरों को वास्तविक बाजार दरों के अनुरूप किया जा रहा है।

आपत्तियों के लिए रखा जाएगा प्रस्ताव- उन्होंने बताया कि जिला मूल्यांकन समिति की बैठक के बाद प्रस्तावित नई दरों को आम जनता के सामने रखा जाएगा, ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्तियां दर्ज करा सके। इसके बाद अंतिम प्रस्ताव केंद्रीय जिला मूल्यांकन समिति भोपाल को भेजा जाएगा। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद 1 अप्रैल 2026 से नई कलेक्टर गाइडलाइन प्रभावी हो जाएगी।

मंडी में काम करने वाले व्यक्ति ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी में काम करने वाले व्यक्ति ने रात में फांसी लगा ली। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल से शव बरामद किया। फिलहाल मृतक के परिजनों का पता लगाया जा रहा है। कृष्ण परिसर में पिछले दो सालों से किराए का मकान लेकर नरेंद्र पिता विजय सिंह राणावत 48 वर्ष निवास कर रहा था और कृषि उपज मंडी में काम करता था। बीती रात उसने लूंगी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मकान मालिक पवन ने उसे देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल से शव बरामद किया और अस्पताल लेकर आई। मकान मालिक ने बताया कि नरेंद्र अकेला रहता था और अविवाहित था। उसके परिजनों की जानकारी नहीं है। पुलिस ने परिजनों का पता लगाने के प्रयास शुरू किए हैं जिनके मिलने पर मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल फांसी लगाकर आत्महत्या करने की वजह सामने नहीं आई है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल अर्पण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम आक्याजागीर में जिला पंचायत सदस्य श्री गजेंद्रसिंह केसरिया, जनपद सदस्य श्री राजेंद्रसिंह मोकडी, सरपंच श्री बहादुरसिंह आंजना, पंचगण, मंत्री श्री प्रकाश गोयल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामवासियों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड खाचरौद के सहायक यंत्री श्री मनोहर परमार, उपयंत्री श्री धर्मेंद्र हारोड एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में जल अर्पण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नए आयकर अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं से लोगों को जागरुक किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़, भोपाल तथा श्री राहुल रमन, मुख्य आयकर आयुक्त (OSD)-1, इंदौर एवं आयकर विभाग, क्षेत्र-1, अपर आयकर आयुक्त डॉ. अक्षय जैन के मार्गदर्शन में आयकर विभाग, आयकर उपायुक्त, श्री दिनेश कजोट की अध्यक्षता में गत दिनों आयकर कार्यालय द्वारा नए आयकर अधिनियम, 2025 पर आधारित आयकर जागरूकता एवं संवाद आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन निजी होटल में किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयकर अधिनियम, 2025 की प्रमुख विशेषताओं, सरल अनुपालन प्रक्रियाओं एवं उसके व्यवहारिक पहलुओं के संबंध में करदाताओं एवं व्यवसायिक वर्ग को जागरूक करना था। कार्यक्रम में श्री दिनेश कजोट, आयकर उपायुक्त, श्री रूपनारायण पटेल, आयकर अधिकारी, श्री निलेश अग्रवाल, अध्यक्ष, कर सलाहकार संघ, श्री आतुष जैन, अध्यक्ष, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन एवं अन्य व्यावसायिक संगठनों के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा व्यापारीगण सहित लगभग 60 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर श्री रूपनारायण पटेल, आयकर अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को नए आयकर अधिनियम के उद्देश्यों एवं प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा यह स्पष्ट किया गया कि आयकर अधिनियम, 2025 एक सरल एवं करदाता-हितैषी कर व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल है।

कार्यक्रम के दौरान अकाउंटेंट्स एवं कर सलाहकार संगठनों के सदस्यों सहित उपस्थित प्रतिभागियों से अपील की गई कि वे अन्य करदाताओं को भी नए आयकर अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराएं एवं जागरूकता फैलाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न कठौतियों एवं नए अधिनियम से संबंधित उठाई गई जिज्ञासाओं का समाधान भी कार्यक्रम के दौरान किया गया।

संभावित दंगा स्थिति से निपटने के लिए उज्जैन पुलिस की बलवा ड्रिल

पुलिस लाइन में वज्र वाहन, टियर गैस और भीड़ नियंत्रण का अभ्यास, अधिकारियों ने जवानों को सिखाई रणनीति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून-व्यवस्था की स्थिति को बेहतर बनाए रखने और संभावित दंगा या भीड़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उज्जैन पुलिस ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में बलवा ड्रिल का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस अभ्यास में पुलिस बल को भीड़ नियंत्रण और दंगा जैसी परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित किया गया।

ड्रिल के दौरान अधिकारियों ने जवानों को बताया कि यदि किसी क्षेत्र में अचानक भीड़ उग्र हो जाए या दंगा जैसी स्थिति बन जाए तो पुलिस को किस प्रकार संयम और रणनीति के साथ हालात को नियंत्रित करना चाहिए। इस दौरान पुलिस बल ने दंगा नियंत्रण से जुड़े विभिन्न उपकरणों और वाहनों का प्रदर्शन भी किया।

अधिकारियों ने दिया मार्गदर्शन- अभ्यास के दौरान डीआईजी नवनीत भसीन और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों को भीड़ नियंत्रण की रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बल के समन्वित उपयोग, अनुशासन और त्वरित कार्रवाई पर विशेष जोर दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस बल प्रभावी ढंग से कार्य कर सके।

वज्र वाहन और फायरिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन- ड्रिल के दौरान वज्र वाहन का भी उपयोग कर प्रदर्शन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने स्वयं वज्र वाहन पर चढ़कर फायरिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया। जवानों को सही फायरिंग पोजीशन और लक्ष्य साधने की तकनीक के बारे में प्रशिक्षण दिया गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे प्रभावी तरीके से कार्रवाई कर सकें।

टियर गैस और सुरक्षा उपकरणों का अभ्यास- पुलिस टीम ने दंगा नियंत्रण में उपयोग होने वाली टियर गैस और अन्य सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल का भी अभ्यास किया। इस दौरान यह बताया गया कि उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इन उपकरणों का किस प्रकार और कब उपयोग किया जाना चाहिए।

माइक से चेतावनी देने की प्रक्रिया समझाई- ड्रिल के दौरान जवानों को यह भी सिखाया गया कि किसी भी भीड़ को नियंत्रित करने से पहले माइक के माध्यम से किस प्रकार चेतावनी दी जाती है और लोगों को शांतिपूर्वक हटने के लिए कैसे निर्देशित किया जाता है। पत्थरबाजी या नारेबाजी की स्थिति में भी संयम बनाए रखते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अभ्यास के अंत में वाहन निरीक्षण परेड भी आयोजित की गई। इसमें दंगा नियंत्रण में उपयोग होने वाले वाहनों और उपकरणों का निरीक्षण कर अधिकारियों ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस पूरी तरह तैयार रहे।

गंभीर डेम में 84 दिन का पानी, नर्मदा लाइन का टी-कनेक्शन अटका

कनेक्शन पूरा होते ही शहर में रोज जलप्रदाय की उम्मीद, एक दिन पानी बंद कर जोड़ा जाएगा पाइपलाइन कनेक्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी की शुरुआत होते ही उज्जैन में पेयजल को लेकर चिंता बढ़ने लगती है, लेकिन इस बार शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। शहर के प्रमुख जलस्रोत गंभीर डेम में फिलहाल करीब 84 दिन का पानी उपलब्ध है। वहीं नगर निगम की नर्मदा जल योजना का टी-कनेक्शन भी जल्द पूरा होने की संभावना है। यह कनेक्शन पूरा होते ही शहर में नियमित जलप्रदाय की व्यवस्था संभव हो सकेगी।

नगर निगम ने वर्ष 2023 में नर्मदा का पानी शहर तक लाने की योजना बनाई थी। इसके तहत पाइपलाइन का अधिकांश काम पूरा कर लिया गया, लेकिन नर्मदा पाइपलाइन को गंभीर की मुख्य लाइन से जोड़ने वाला टी-कनेक्शन पिछले करीब एक साल से अटका हुआ है। अब निगम अधिकारी इसे जल्द पूरा करने का दावा कर रहे हैं।

फोरलेन निर्माण के कारण रुका काम- अधिकारियों के अनुसार हरिफाटक से चिंतामण ब्रिज तक फोरलेन सड़क निर्माण के चलते पीएचई विभाग के फिल्टर प्लांट का कुछ हिस्सा हटाने की नौबत आ गई थी। पूरे शहर के जलप्रदाय पर असर पड़ने की आशंका के कारण फिल्टर प्लांट को यथावत रखा गया। इसी वजह से पाइपलाइन का टी-कनेक्शन लंबे समय से नहीं हो सका।

पिछले साल अप्रैल से शुरू हुआ था एक दिन छोड़कर जलप्रदाय- पिछले वर्ष गंभीर डेम में पानी कम होने के कारण नगर निगम ने 15 अप्रैल से एक दिन छोड़कर जलप्रदाय की व्यवस्था लागू कर दी थी। जून तक बारिश नहीं होने के कारण शहरवासियों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।इस बार हालांकि स्थिति कुछ बेहतर बताई जा रही है। निगम अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर नर्मदा का पानी भी उपलब्ध रहेगा, इसलिए फिलहाल एक दिन छोड़कर जलप्रदाय लागू करने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

गऊघाट प्लांट से सीधे घरों तक पहुंचेगा पानी.- नर्मदा पाइपलाइन को जोड़ने का काम पूरा होने के बाद गऊघाट स्थित फिल्टर प्लांट तक नर्मदा का पानी सीधे पहुंचेगा। यहां पानी फिल्टर होने के बाद पाइपलाइन के जरिए शहर के घरों तक सप्लाई किया जाएगा। इससे गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति बनने पर भी वैकल्पिक व्यवस्था बनी रहेगी।

गंभीर डेम की मौजूदा स्थिति

डेम में कुल पानी = 1031 एमसीएफटी
डेड स्टोरेज = लगभग 100 एमसीएफटी
उपयोग योग्य पानी = करीब 931 एमसीएफटी
शहर की रोजाना जरूरत = लगभग 11 एमसीएफटी
उपलब्ध पानी = करीब 84 दिन का स्टॉक

गर्मी में वाष्पीकरण और पानी चोरी के कारण वास्तविक उपलब्धता पर असर पड़ता है। इसे रोकने के लिए प्रशासन जल अधिनियम 1986 लागू करने की तैयारी भी कर रहा है।

एक नजर प्रोजेक्ट पर

1.88 करोड़ का प्रोजेक्ट, तीन साल से अधूरा
योजना शुरू = 2023
लागत = 1.88 करोड़ रुपए
तय समय = 2 माह
मौजूदा स्थिति = पाइपलाइन का काम लगभग पूरा
बाकी काम = टी-कनेक्शन जोड़ना

यह कनेक्शन जोड़ने के लिए एक दिन जलप्रदाय बंद करना पड़ेगा, इसलिए इसे किसी मेंटेनेंस कार्य के साथ जोड़कर करने की योजना बनाई जा रही है।

मोबाइल नम्बर से हुई मृतक की पहचान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रामघाट से बीमार अवस्था में मिले वृद्ध की अस्पताल में मौत हो गई। मृतक वृद्ध के पास मोबाइल नंबर मिला। जिसके आधार पर सामने आया कि दो माह पहले घर छोड़ चुका था। पुत्र के आने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। महाकाल थाना पुलिस ने लोगों की सूचना पर रामघाट से वृद्ध को बीमार हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। वृद्ध की कुछ घंटे बाद मौत हो गई। पुलिस ने पहचान के प्रयास शुरू किया मृतक वृद्ध के पास से मोबाइल नंबर मिला। जिस पर संपर्क करने के बाद सामने आया कि उक्त नंबर पुत्र पवन का है। मृतक गद्य का नाम राम सिंह पिता रामकिशन मोगिया 65 साल निवासी खिलचीपुर है। पुलिस द्वारा पुत्र को निधन होने की जानकारी दी गई। शुक्रवार सुबह पुत्र अस्पताल पहुंचा। उसने बताया कि पिता को कुष्ठ रोग हो गया था उन्होंने दो माह पहले घर छोड़ दिया था वह रामघाट क्षेत्र में अपना जीवन यापन कर रहे थे। पुलिस ने मामले में मार्ग कम कर पोस्टमार्टम कराया। पुत्र शव अंतिम संस्कार के लिए अपने साथ ले गया है।

सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत अस्थाई कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत किए जाने वाले अस्थाई कार्यों के संबंध में बैठक ली। बैठक में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सिंहस्थ के दौरान सॉलिड वेस्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि इसी कार्ययोजना में अतिरिक्त मेन पावर और मशीनरी को सम्मिलित किया जाए। नगर निगम द्वारा सिंहस्थ के दौरान प्रस्तावित कचरा कलेक्शन और परिवहन पर चर्चा के दौरान जानकारी दी गई कि सिंहस्थ में कचरा कलेक्शन के लिए चार पहिया वाहन और ट्रेक्टर ट्रॉली एवं अन्य वाहन जैसे डंपर,

कांपेक्टर, बेक हो लोडर की व्यवस्था की जाना है। इनके द्वारा दत्त अखाडा, महाकाल, त्रिवेणी , नागझिरी, मंगलनाथ, काल भैरव, चामुंडा चौराहा, पंवासा से कचरा कलेक्शन किया जाना है। साथ ही अस्थाई शौचालय और स्नानागार बनाए जाने पर भी चर्चा की गई।

मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के दौरान मुख्य घाटों पर अधिक संख्या में सफाई मित्र तैनात किए जाए। इनके द्वारा निरंतर सफाई का कार्य संपादित किया जाए।

सिंहस्थ में अस्थाई प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मेला क्षेत्र में हाई मास्ट-मिनि मास्ट पोल, फ्लड लाईट, पावर केबल लगाए जाना है। पोल की उंचाई लगभग 7 से 10 मीटर की होगी। मेला अधिकारी श्री सिंह ने प्रकाश व्यवस्था का कार्य एक फरवरी 2028 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सिंहस्थ के दौरान ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए कीटनाशक और अन्य प्रमुख दवाईयों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। सिंहस्थ के दौरान पंचक्रोशी यात्रा के लिए अलग से कार्ययोजना बनाए जाने के निर्देश दिए गए। सिंहस्थ में बेरीकेडिंग प्लान के बारे में जानकारी दी गई कि लगभग 103.39 कि.मी. की बेरीकेडिंग मेला क्षेत्र में की जाएगी। इसके लिए लगभग 53 हजार बेरीकेड्स की आवश्कता होगी।

मेला अधिकरी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र का अवलोकन कर समतलीकरण कार्य समयसीमा में पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में सिंहस्थ के दौरान पार्किंग व्यवस्था, दिशा सूचक संकेत, अस्थाई अस्पताल, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, पर्व के पूर्व नदी की सफाई की जाने पर भी विचार विमर्श किया गया। साथ ही सिंहस्थ के अंतर्गत मेन पावर का प्रशिक्षण, बीमा संबंधित कार्य, सत्कार व्यवस्था और प्रोटोकोल व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

ठेकेदार ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकान निर्माण की ठेकेदारी करने वाले ने साइट पर ही जहरीला पदार्थ खा लिया। कर्मचारी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन ठेकेदार की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर रोड स्थित ग्राम करोहन में रहने वाला प्रकाश पिता गंगाराम पांचाल 50 वर्ष मकान निर्माण की ठेकेदारी करता था। कुछ समय से उसकी ग्राम दाऊद खेड़ी में साइड चल रही थी। गुरुवार शाम उसने साइट पर ही जहरीला पदार्थ खा लिया। कर्मचारियों ने हालत बिगड़ी देखी तो उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां जहर खाने की जानकारी सामने आई। उपचार के लिए भर्ती किया लेकिन कुछ देर बाद ही प्रकाश की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर आज सुबह पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की वजह सामने नहीं आई है। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक परेशानी के चलते ठेकेदार ने आत्मघाती की कदम उठाया है। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करेगी।